ज्येष्ठ कृष्ण - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 294 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 24-05-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 पाकिस्तान के पास अब ज्यादा दिन नहीं बचे : योगी आदित्यनाथ

6 किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

7 आईफोन अमेरिका में नहीं बने तो लगेगा 25 प्रतिशत आयात शुल्क : ट्रंप

फर्स्ट टेक

बांग्लादेश : यूनुस इस्तीफा देने पर कर रहे विचार : खबर

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस इस्तीफा देने पर विचार कर रहे हैं, क्योंकि देश में बदलाव लाने के लिए राजनीतिक दलों के बीच सहमति नहीं बन पाने के कारण उन्हें काम करना मुश्किल लग रहा है। एक खबर में यह दावा किया गया। बीबीसी बांग्ला सेवा ने छात्रों के नेतृत्व वाली नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख नाहिद इस्लाम के हवाले से कहा कि यूनुस देश में उभरते राजनीतिक हालात को लेकर चिंतित हैं और उन्हें आशंका है कि वह अपना काम जारी रख पाएंगे या नहीं। देश में संसदीय चुनाव कराने की संभावित समयसीमा को लेकर सेना और अंतरिम सरकार के बीच कुछ असहमति की भी खबरें हैं।

दक्षिण अफ्रीका में सोने की खदान में फंसे 260 श्रमिकों को बचाने के लिए प्रयास जारी

जोहानिसबर्ग/एपी। दक्षिण अफ्रीका में सोने की एक खान में फंसे 260 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर लाने के लिए प्रयास जारी हैं। खान कंपनी सिबान्ये स्टिलवाटर ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी ने एक बयान में कहा कि खान की स्थिति का मूल्यांकन करने के बाद यह तय किया गया कि कर्मचारियों को उस समय तक वहीं रहना चाहिए जब तक उन्हें ऊपर लाने की सुरक्षित व्यवस्था नहीं हो जाए। खदान श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन नेशनल यूनियन ऑफ माइनवर्कर्स (एनयूएम) ने कहा कि खनिक करीब 24 घंटे से अंदर फंसे हुए हैं और कंपनी उन्हें ऊपर लाने के अनुमानित समय में बार-बार बदलाव कर रही है

भारतीय उड़ानों के लिए पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र 24 जून तक बंद

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान ने शुक्रवार को भारतीय उड़ानों के देश के हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने पर प्रतिबंध को 24 जून तक बढ़ा दिया। पाकिस्तान हवाईअड्डा प्राधिकरण द्वारा जारी एक नये 'नोटेम' (नोटिस टू एयरमैन) में यह जानकारी दी गई है। 'नोटेम' एक नोटिस है, जिसमें उड़ानों के परिचालन से संबंधित कर्मियों के लिए आवश्यक जानकारी होती है। यह विस्तार अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के नियमों के अनुसार किया गया है। पाकिस्तान हवाईअड्डा प्राधिकरण (पीएए) ने यहां एक बयान में कहा, ''भारतीय विमानों के पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने पर प्रतिबंध 24 जून 2025 की तड़के 4:59 बजे तक बढ़ा दिया गया है।''

23-05-2025 सूर्यास्त 6:29 बजे | 24-05-2025 सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
81,721.08	24,853.15
(+769.09)	(+243.45)

सोना	चांदी
9,890 रु.	109,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

नसों में सिंदूर

नसों में बह रहा सिंदूर,
है अचरज बड़ा सब को।
सभी देने लगे ताने,
सियासत के अजब ढब को।
लगे हैं शेय सब लेने,
उगाड़े बेहया लब को।
किया पुरुषार्थ सेना ने,
करें आभार हम रब को।।

चाहे आतंकवाद हो या नक्सलवाद, हमारी सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करेगी : मोदी

सरकार पूर्वोत्तर की विकास गाथा को गति देने के लिए दृढ़ संकल्पित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि कभी ''बम, बंदूक और नाकेबंदी'' का पर्याय रहा पूर्वोत्तर क्षेत्र अब अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है और सरकार उसकी विकास गाथा को गति देने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

प्रधानमंत्री ने 'राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट' में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर की विविधता इसकी सबसे बड़ी ताकत है और क्षेत्र का प्रत्येक राज्य निवेश और नेतृत्व के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, '' पूर्वोत्तर दो रणनीतिक क्षेत्रों – ऊर्जा और सेमीकंडक्टर– के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में उभर रहा है।'' उन्होंने साथ ही कहा कि भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र को मजबूत करने में असम की भूमिका बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के सेमीकंडक्टर संयंत्र से पहली 'मेड इन इंडिया' चिप जल्द ही पेश की जाएगी जो इस क्षेत्र के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी, जिससे अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के लिए अवसर खुलेंगे और भारत के उच्च तकनीक औद्योगिक विकास में क्षेत्र की स्थिति मजबूत होगी।

मोदी ने कहा कि शांति समझौतों के लिए सरकार के लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप पिछले 10-11 वर्षों में 10,000 युवाओं ने हथियार छोड़कर शांति की राह अपनाई है। इस बदलाव से क्षेत्र में रोजगार और उद्यमशीलता के नए अवसर पैदा हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि किसी भी क्षेत्र के विकास में शांति और कानून व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर एक समय बम, बंदूक और नाकेबंदी का पर्याय था जिसने वहां के युवाओं से बहुत से अवसर छीन लिए।

प्रधानमंत्री ने कहा,'' चाहे आतंकवाद हो या नक्सलवाद, हमारी सरकार की नीति इन्हें कतई बर्दाश्त नहीं करने की है।''

मोदी ने कहा कि शांति समझौतों के लिए सरकार के लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप पिछले 10-11 वर्षों में 10,000 युवाओं ने हथियार छोड़कर शांति की राह अपनाई है। उन्होंने कहा कि इस बदलाव से क्षेत्र में रोजगार और उद्यमशीलता के नए अवसर पैदा हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने सभी पूर्वोत्तर राज्यों में जलविद्युत और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक निवेश किया है और कई हजार करोड़ रुपए की परियोजनाएं पहले ही स्वीकृत हो चुकी हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर एक समृद्ध जैव-अर्थव्यवस्था और बांस उद्योग, चाय उत्पादन और पेट्रोलियम, खेल और कौशल के साथ-साथ इकोटूरिज्म के लिए एक उभरता हुआ केंद्र है। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में अष्टलक्ष्मी का सार समाहित है, जो समृद्धि और अवसर लेकर आती है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र जैविक उत्पादों के लिए मार्ग प्रशस्त कर रहा है और ऊर्जा का एक केंद्र है। उन्होंने दो दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कहा, '' पूर्वोत्तर क्षेत्र अभूतपूर्व प्रगति देख रहा है। हम इसकी विकास गाथा को गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

इस कार्यक्रम में पूर्वोत्तर क्षेत्र के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, नौकरशाह, राजनयिक तथा अन्य लोग शामिल हो रहे हैं।

पाकिस्तान के विरुद्ध नया डोजियर सौंपेगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत पहलगाम आतंकवादी हमले से उत्पन्न परिस्थितियों के बीच पाकिस्तान के खिलाफ आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर बहुपक्षीय संस्था वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) को नया डोजियर देने की तैयारी में है। सूत्रों ने यहां बताया कि भारत एफएटीएफ से मांग करेगा कि पाकिस्तान को पुन: 'ग्रे सूची' (संदिग्ध देशों की सूची) में रख कर उसके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। पेरिस स्थित यह संस्था धन शोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नजर रखती है और इसमें भारत सहित 39 देश शामिल हैं। उच्चस्तरीय सूत्रों ने शुक्रवार को यहां कहा, ' पाकिस्तान को फिर से 'ग्रे सूची' में डालने के लिए भारत एफएटीएफ के समक्ष मजबूत मामला पेश करेगा।

भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बर्लिन/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेगा और ''परमाणु ब्लैकमेल'' के आगे कभी नहीं झुकेगा।

जर्मनी के विदेश मंत्री जोहान वेडफुल के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में जयशंकर ने यह भी कहा, ''भारत पाकिस्तान के साथ पूरी तरह से द्विपक्षीय तरीके से निपटेगा'' और इस संबंध में ''किसी को कोई भ्रम नहीं होना चाहिए।''

विदेश मंत्री जयशंकर वर्तमान में तीन देशों की यूरोप यात्रा के तहत जर्मनी में हैं। उन्होंने कहा, ''मैं पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया के तुरंत बाद बर्लिन आया था। मैं आपको वह बताना चाहता हूं जो मैंने उस संदर्भ में वेडफुल को बताया। भारत आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा। भारत कभी भी परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा।''

जयशंकर ने कहा, ''भारत पाकिस्तान के साथ पूरी तरह से द्विपक्षीय तरीके से निपटेगा। इस संबंध में किसी को कोई भ्रम नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत ''जर्मनी की इस समझ'' को महत्व देता है कि ''हर देश को आतंकवाद के खिलाफ खुद का बचाव करने का अधिकार है।''

भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो चुकी है : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर के एक हालिया साक्षात्कार का हवाला देते हुए शुक्रवार को आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने जयशंकर के एक विदेशी पत्रकार को दिए गए साक्षात्कार के कुछ अंश वाला वह वीडियो फिर से पोस्ट किया, जिसे कांग्रेस ने अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किया था। उन्होंने कहा, ''क्या 'जेजे' (जयशंकर) बताएंगे कि भारत को पाकिस्तान के साथ क्यों जोड़ा गया है, पाकिस्तान की निंदा करने में एक भी देश ने हमारा समर्थन क्यों नहीं किया और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भारत और पाकिस्तान के बीच ''मध्यस्थता'' करने के लिए किसने कहा?'' उन्होंने आरोप लगाया कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है। कांग्रेस ने जयशंकर के इस साक्षात्कार के कुछ अंश का वीडियो साझा करते हुए कहा, ''इनकी जुबान क्यों लड़खड़ा रही है?''

इस साक्षात्कार में जयशंकर से अमेरिकी ''मध्यस्थता'' संबंधी डोनाल्ड ट्रंप के दावे समेत कई विषयों पर सवाल किए गए थे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव गौरव पंधी और पार्टी के कुछ नेताओं ने कहा कि राहुल गांधी द्वारा जयशंकर के लिए इस्तेमाल किए गए 'जेजे' शब्द का मतलब 'जयचंद जयशंकर' है।

'ऑपरेशन सिंदूर' से साबित हुआ कि

भारत में आतंकवाद पूरी तरह पाकिस्तान प्रायोजित है : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने इस तथ्य को उजागर कर दिया है कि भारत में आतंकवाद पूरी तरह से पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित है। शाह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के 22वें अलंकरण समारोह के अवसर पर आयोजित रुस्तमजी स्मृति व्याख्यान में कहा कि बीएसएफ ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान अपनी क्षमता साबित की और पाकिस्तान को नापाक गतिविधियां नहीं करने दीं। उन्होंने कहा, '' 'ऑपरेशन सिंदूर' ने यह उजागर कर दिया है कि भारत में आतंकवाद पूरी तरह से पाकिस्तान प्रायोजित है।''

गृह मंत्री ने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पहले पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचों पर हमला किया लेकिन वह पाकिस्तानी सेना थी जिसने जवाब में भारत पर हमला करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ''हमने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया और आतंकवादियों के नौ शिविरों को नष्ट कर दिया। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि हमने पाकिस्तानी सेना के अड्डों, आम नागरिकों या एयरबेस को निशाना नहीं बनाया था।'' शाह ने कहा, ''हमने आतंकवादियों को निशाना बनाया था लेकिन पाकिस्तान ने इसे अपने ऊपर (हमले के तौर पर) ले लिया और साबित कर दिया कि यह पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद है।''

छत्तीसगढ़ में 33 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

बीजापुर/दंतेवाड़ा/भाषा। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में शुक्रवार को 33 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया इनमें से 24 नक्सलियों पर कुल 91 लाख रुपए का इनाम है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। दो दिनों पहले बुधवार को सुरक्षाबलों ने बीजापुर-नारायणपुर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ के जंगल में हुई मुठभेड़ में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के महासचिव नंबाला केशव राव उर्फ बसवराजू समेत 27 नक्सलियों को मार गिराया जिसके बाद नक्सलियों ने यह आत्मसमर्पण किया है। बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने बताया कि नौ महिलाओं सहित कुल 24 नक्सलियों ने अमानवीय माओवादी विचारधारा, स्थानीय आदिवासियों पर अत्याचार और प्रतिबंधित संगठन के भीतर बढ़ते मतभेदों से निराश होकर सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

रूस में रातभर हुए ड्रोन हमलों के मद्देनजर

भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडल को ले जा रहा विमान 40 मिनट की देरी से उतरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/भाषा। भारतीय संसदों के एक प्रतिनिधिमंडल सहित अन्य यात्रियों को लेकर मॉस्को आया विमान बृहस्पतिवार को लगभग 40 मिनट की देरी से उतरा। घटनाक्रम से वाकिफ लोगों ने बताया कि रातभर हुए ड्रोन हमलों के मद्देनजर मास्को के हवाई अड्डों को कुछ देर के लिए बंद कर दिया गया था, जिसके चलते विमान देरी से उतरा।

रूसी अधिकारियों ने कहा कि अस्थायी उड़ान प्रतिबंधों के कारण 153 उड़ानें प्रभावित हुईं।

मामले के बारे में जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि यूक्रेन ने रूस की राजधानी पर बड़े पैमाने पर ड्रोन हमले किए, जिसके चलते यहां स्थित सभी हवाई अड्डों को कुछ समय के लिए बंद करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कुछ उड़ानों को दूसरे हवाई अड्डों की तरफ मोड़ दिया गया।

हालांकि, फिलहाल रूसी अधिकारियों ने उड़ानों में देरी की वजहों पर कोई आधिकारिक बयान नहीं जारी किया है।

घटनाक्रम से वाकिफ लोगों के मुताबिक, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) की सांसद कनिमोई के नेतृत्व वाले भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल को लेकर आ रहा विमान लगभग 40 मिनट की देरी से डोमोडेडोवो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा।

KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY (KIIT)
Deemed to be University
(Established U/S 3 of UGC Act 1956), Bhubaneswar, Odisha, India

15th nirf Among Indian Universities Ranked by NIRF, Govt. of India
A++ Grade Accredited by NAAC
Tier 1 NBA Re-accredited by NBA All Engineering Programs for 6 Years

KIITEE 2025 PHASE - 2
APPLY ONLINE
through KIIT Websites
www.kiitee.ac.in / www.kiit.ac.in
Last Date to Apply 4th June 2025 | No Examination Fee (Computer-Based Test)
KIITEE 2025 Online Test (Phase -2) starts from
8th June to 12th June 2025

Special Consultative Status by the UN-ECOSOC
ABET (US) Accreditation
THE 601-800 University Ranking 2024 World University Rankings
IET ACCREDITED PROGRAMME The Institute of Engineering and Technology

ACADEMIC PROGRAMMES AVAILABLE

UG (3 years/4 years)/Integrated (5 years) Programmes [All 4 years Programmes are with Honors/Research]

B.Tech Programmes
- Civil
- Construction Technology
- Electrical
- Electrical & Computer Science
- Mechanical
- Mechanical (Automobile)
- Aerospace
- Mechatronics
- Electronics & Telecommunication
- Electronics & Computer Science
- Electronics & Electrical
- Electronics (VLSI Design & Technology)
- Chemical
- Computer Science & Engineering (CSE)
- CSE (Artificial Intelligence & Machine Learning)
- CSE (Artificial Intelligence)
- CSE (Cyber Security)
- CSE (Data Science)
- CSE (Internet of Things & Cyber Security including Block Chain Technology)
- CSE (Internet of Things)
- Information Technology
- Computer Science & System
- Computer Science & Communication

UG Programmes in other Disciplines
- B.Design (Automobile/ Graphic/Product)
- B.Design (Fashion / Textile)
- B.Tech & M.Tech Biotechnology (5yrs)
- B.Tech (Lateral Entry)
- B.Arch
- BCA
- BBA
- B.Sc (Hospitality & Tourism)
- Bachelor of Film & Television Production
- Bachelor of Communication & Journalism
- Bachelor of Physical Education & Sports
- BA Economics
- BA Sociology
- BA English
- BA Psychology
- BA French
- BA Spanish
- BA Japanese
- BA German
- B.Com
- B.Sc (Economics & Data Analytics)
- B.Sc Computer Science
- B.Sc Nursing
- B.Pharma
- D.Pharma
- BA LLB/BBA LLB/B.Sc LLB (Hons) 5yrs

PG (1 year/2 years)/Integrated (5 years) Programmes
- M.Tech
- LLM (1yr)
- MCA
- M.Sc Biotechnology
- M.Sc Applied Microbiology
- M.Arch
- MBA
- MBA in Rural Management
- MBA in Agribusiness Management
- MBA-IEV (Innovation, Entrepreneurship and Venture Development)
- Master of Communication & Journalism
- Master in Urban & Regional Planning
- Master in Yoga & Naturopathy
- Master of Hospital Administration
- Master of Public Health
- MA in Fashion Management
- M. Design (Interior)
- M.Sc Computer Science
- MA Economics
- MA Sociology
- MA English
- MA Psychology
- Master in Public Policy
- M.Com
- M.Sc Physics
- M.Sc Chemistry
- M.Sc Mathematics & Data Science
- Master in Library & Information Sciences
- Master in Physical Education & Sports
- M.Sc Nursing
- Integrated M.Tech & Ph.D
- Ph.D

CAMPUS PLACEMENT 2024 HIGHLIGHTS
700+ Companies | 5585+ Job Offers | ₹53 LPA Highest Salary Offered
₹8.50 LPA Average CTC | 1500+ Paid Internships | 1000+ Students with multiple job offers

Director, Admissions : Admission Cell, Koel Campus, Po- KIIT, Bhubaneswar-751024, Odisha, India,
Ph: 8080 735 735, Fax : 0674 - 2741465, Email: admission@kiit.ac.in, Website: www.kiitee.ac.in

KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha.
It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

पाक के साथ संघर्ष का अर्थव्यवस्था पर कोई असर नहीं, आर्थिक मानदंड मजबूत बने हुए हैं: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा और इसका आकार तेजी से बढ़ रहा है तथा आर्थिक मानदंड मजबूत बने हुए हैं।

भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। अग्रवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए आवश्यक तीनों मानकों – मजबूत अर्थव्यवस्था, मजबूत सैन्य क्षमता और गहन वैश्विक जुड़ाव – में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि चाहे मुद्रास्फीति हो, राजकोषीय मजबूती हो या विदेशी मुद्रा भंडार, भारत व्यापक आर्थिक कारकों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, जबकि एक अनुकरणीय कल्याणकारी वितरण मॉडल को बनाए रखा है और बुनियादी ढांचे में निवेश का विस्तार किया है। अग्रवाल ने अपनी बात के समर्थन में भारतीय

अर्थव्यवस्था पर क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों 'फिच' और 'मूडीज' के अलावा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हालिया सकारात्मक रिपोर्टों का हवाला दिया। मूडीज रेटिंग्स ने बुधवार को कहा था कि भारत अमेरिकी शुल्क (टैरिफ) और वैश्विक व्यापार व्यवधानों के नकारात्मक प्रभावों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है, क्योंकि घरेलू विकास के चालक तथा निर्यात पर कम निर्भरता अर्थव्यवस्था को सहारा दे रही है।

भारत पर एक 'नोट' में रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निजी उपभोग को बढ़ावा देने, विनिर्माण क्षमता का विस्तार करने और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की सरकारी पहल से वैश्विक मांग के कमजोर होते परिदृश्य को संतुलित करने में मदद मिलेगी।

आरबीआई ने कहा कि वैश्विक व्यापार में आये परिवर्तन और औद्योगिक नीति में बदलाव के बीच, भारत एक ''कनेक्टर देश'' के रूप में काम करने की स्थिति में है, जो प्रौद्योगिकी, डिजिटल सेवाओं और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में एक प्रमुख कड़ी बन सकता है।

भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि भू-राजनीतिक संघर्षों और 'शुल्क युद्ध' के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन अच्छा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ हालिया संघर्ष का अर्थव्यवस्था पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति ने वैश्विक आर्थिक विकास को भी गति प्रदान की है।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में तलाशी अभियान दूसरे दिन भी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकवादियों की धर-पकड़ के लिए शुरू किया गया तलाशी अभियान शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा।

किश्तवाड़ जिले में सिंहपोरा-चतरू के शिंगपुरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद पुलिस, अर्धसैनिक बलों की संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को ऑपरेशन त्राशी शुरू किया था। इसके बाद हुई मुठभेड़ में एक जवान शहीद हो गया था। एक अधिकारी ने कहा कि क्षेत्र में तीन से चार आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद घेराबंदी एवं तलाशी अभियान (सीएएसओ) शुरू किया गया। अधिकारी ने कहा, ''तलाशी अभियान दूसरे दिन भी जारी है। घेराबंदी को मजबूत करने और छिपे हुए आतंकवादियों का पता लगाने के लिए अभियान को तेज करने हेतु अतिरिक्त जवानों को तैनात किया गया है।'' किश्तवाड़ जिले में बृहस्पतिवार को आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में शहीद हुए सिपाही गायकड़ संदीप पांडुरंग को शुक्रवार को जम्मू के सैन्य अस्पताल में श्रद्धांजलि दी गई। पांडुरंग महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के करंदी गांव के निवासी थे। वह किश्तवाड़ जिले में तैनात 17वीं राष्ट्रीय राइफल्स में सेवारत थे। जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात ने बृहस्पतिवार को किश्तवाड़ जिले के उस इलाके का दौरा किया जहां आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में जवान शहीद हो गया था जबकि चार आतंकवादियों के अब भी इलाके में छिपे होने की आशंका है। पुलिस की एक प्रवक्ता ने बताया कि आतंकवाद विरोधी अभियान की समीक्षा करने और जमीनी स्थिति एवं अभियान की रणनीति का आकलन करने के लिए डीजीपी ने सिंहपोरा-चतरू क्षेत्र का दौरा किया, जहां बड़ा आतंकवाद विरोधी अभियान जारी है।

भुगतान प्रणालियों के नियमन, पर्यवेक्षण के लिए छह-सदस्यीय बोर्ड बनेगा: आरबीआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिजर्व बैंक के गवर्नर की अगुवाई वाला छह सदस्यीय 'भुगतान विनियामक बोर्ड' (पीआरबी) अब देश में भुगतान प्रणालियों का विनियमन एवं पर्यवेक्षण करेगा। इसमें केंद्र सरकार के तीन नामित व्यक्ति भी होंगे। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने एक अधिसूचना में यह जानकारी दी है। इसके मुताबिक, नया निकाय भुगतान एवं निपटान प्रणाली नियमन एवं पर्यवेक्षण बोर्ड (बीपीएसएस) की जगह लेगा।

पांच सदस्यीय बीपीएसएस की कमान भी आरबीआई गवर्नर के ही पास होती है लेकिन इसमें कोई सरकारी नामित व्यक्ति नहीं होता है। रिजर्व बैंक ने 21 मई को 'भुगतान विनियामक बोर्ड विनियम, 2025' को अधिसूचित कर दिया है। अधिसूचना के मुताबिक, भुगतान विनियामक बोर्ड (पीआरबी) की अध्यक्षता आरबीआई गवर्नर करेंगे जबकि भुगतान और निपटान प्रणाली के प्रभारी डिप्टी गवर्नर, केंद्रीय बोर्ड द्वारा नामित आरबीआई के एक अधिकारी और केंद्र सरकार द्वारा नामित तीन व्यक्ति इसके अन्य सदस्य होंगे। हरेक सदस्य के पास एक वोट होगा। आरबीआई गवर्नर, डिप्टी गवर्नर और केंद्रीय बैंक के अधिकारी बोर्ड के 'पदेन' सदस्य के रूप में कार्य करेंगे। पीआरबी भुगतान एवं निपटान प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी और कानून के क्षेत्र में अनुभव रखने वाले व्यक्तियों को स्थायी या तदर्थ आमंत्रित सदस्य के तौर पर बैठक में आमंत्रित कर सकता है जबकि आरबीआई के प्रमुख कानूनी सलाहकार बैठकों में स्थायी आमंत्रित सदस्य होंगे। बोर्ड की आम तौर पर साल में कम-से-कम दो बैठकें होंगी।

सरकार ने भुगतान और निपटान प्रणाली अधिनियम, 2007 में संशोधन को अंतिम रूप देने के लिए आर्थिक मामलों के सचिव की अध्यक्षता में एक अंतर-मंत्रालयी समिति बनाई थी। समिति ने अपनी मसौदा रिपोर्ट में भुगतान संबंधी मुद्दों से निपटने के लिए एक स्वतंत्र नियामक के तौर पर भुगतान विनियामक बोर्ड के निर्माण का सुझाव दिया था। हालांकि आरबीआई ने अक्टूबर 2018 में केंद्रीय बैंक के दायरे के बाहर भुगतान प्रणालियों के लिए एक नियामक होने की सिफारिश पर असहमति जताई थी।

'संवैधानिक स्वतंत्रता कायम रख सकने वाली अदालत है उच्चतम न्यायालय'

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय के न्यायमूर्ति अभय एस. ओका ने शुक्रवार को कहा कि यह एक ऐसा न्यायालय है जो संवैधानिक स्वतंत्रता को कायम रख सकता है और उन्होंने ईमानदारी से उस आजादी को बरकरार रखने का प्रयास किया है। न्यायमूर्ति ओका का आज उच्चतम न्यायालय में आखिरी कार्यदिवस था। वह 24 मई को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

अपनी मां के निधन के एक दिन बाद, न्यायमूर्ति ओका अपने आखिरी कार्यदिवस के दिन कई फैसले सुनाने के लिए उच्चतम न्यायालय पहुंचे। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि यह (उच्चतम न्यायालय) एक ऐसा न्यायालय है जो संवैधानिक स्वतंत्रता को कायम रख सकता है। मैंने इस संबंध में प्रयास किया है और मुझे विश्वास है कि सामूहिक प्रयास किए जाएंगे। यह न्यायालय स्वतंत्रता कायम रखेगा। संविधान निर्माताओं का यही सपना था, और मैंने ऐसा करने के लिए ईमानदारीपूर्वक प्रयास किए।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई ने न्यायमूर्ति ओका को अपना पुराना मित्र बताया और उनके साथ बिताए समय को याद किया। प्रधान न्यायाधीश ने न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए न्यायमूर्ति ओका की सराहना की।

पाकिस्तानी गोलाबारी से पीड़ित लोगों के लिए

राहत का मामला केंद्र के समक्ष उठाएगी सरकार : उमर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तानी गोलाबारी से हुए नुकसान का आकलन लगभग पूरा हो चुका है और उनकी सरकार पीड़ितों को राहत प्रदान करने के लिए केंद्र के समक्ष यह मुद्दा उठाएगी।

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''आकलन लगभग पूरा हो चुका है। दो जिलों से रिपोर्ट आने का इंतजार है। रिपोर्ट मिलने के बाद हम भारत सरकार के समक्ष इस मामले को उठाएंगे और (राहत) पैकेज तैयार करने का प्रयास करेंगे।

मुख्यमंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित क्षेत्रों में तृणमूल कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल समेत विपक्षी नेताओं के दौरे के लिए आभार भी व्यक्त किया।

अब्दुल्ला ने कहा, ''राहुल गांधी शनिवार को पुंछ का दौरा करके पीड़ितों से बातचीत करेंगे। मैं विशेष रूप से तृणमूल नेताओं का आभारी हूं, जो सबसे पहले आए हैं। वे पहले पुंछ गए और अब राजौरी में हैं। इन यात्राओं से हमें लगता है कि इस कठिन समय में लोग हमारे साथ खड़े हैं। हाल ही में नेशनल कांफ्रेंस की कार्यसमिति द्वारा पारित प्रस्तावों को पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर पारित किए जाने के भाजपा के दावे से जुड़े सवाल को दरकिनार करते हुए अब्दुल्ला ने कहा, ठीक है। उन्हें कहने दीजिए।

मुख्यमंत्री ने जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के खिलाफ सीबीआई द्वारा दायर आरोपपत्र पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

केंद्रीय एजेंसी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में कीरू जलविद्युत परियोजना के लिए 2,200 करोड़ रुपए की कार्यों से जुड़े ठेके में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में मलिक और सात अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया है।

केंद्र आंध्र प्रदेश के नेल्लोर में अवैध खनन पर रोक लगाए : वाईएसआरसीपी

अमरावती/भाषा। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरपी) के नेता एम.गुरुमूर्ति ने शुक्रवार को केंद्रीय खनन मंत्री जी किशन रेड्डी से आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में कथित तौर पर जारी अवैध खनन पर रोक लगाने की मांग की।

रेड्डी को लिखे पत्र में तिरुपति से सांसद गुरुमूर्ति ने नेल्लोर जिले के सिद्दापुरम में ''बड़े पैमाने पर नियमों का उल्लंघन'' का हवाला देते हुए तत्काल कार्रवाई की मांग की। वाईएसआरसीपी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक, गुरुमूर्ति ने दावा किया, ''कई खदानों में पर्यावरण मंजूरी के बिना खनन कार्य चल रहा है; अधिकारी पीछे की तारीख में मंजूरी दिखा उन्हें वैध बनाने की कोशिश कर रहे हैं।''

गुरुमूर्ति ने जांच के साथ 'अवैध' पट्टों को रद्द करने, जिम्मेदार लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने तथा स्थानीय ग्रामीणों, जानकारी देने वालों और पत्रकारों की सुरक्षा की मांग की।

प्रल्हाद जोशी ने निवेशकों से पूर्वोत्तर के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने को कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने शुक्रवार को निवेशकों से पूर्वोत्तर के आठ राज्यों के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में निवेश करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के विकास में स्वच्छ ऊर्जा की केंद्रीय भूमिका है।

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री यहां 'राइजिंग नॉर्थ ईस्ट' निवेशक सम्मेलन 2025 में एक सत्र को संबोधित कर रहे थे।

जोशी ने कहा कि पूर्वोत्तर में बड़ी पनबिजली परियोजनाओं से 129 गीगावाट और पंप भंडारण संयंत्र से 18 गीगावाट से अधिक बिजली पैदा करने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा की 'अष्टलक्ष्मी' में वृद्धि के लिए केंद्रीय भूमिका है। अष्टलक्ष्मी का आशय पूर्वोत्तर के आठ राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, त्रिपुरा और सिक्किम से है। उन्होंने कहा, ''हरित ऊर्जा के जरिये पूर्वोत्तर के प्राकृतिक संसाधनों को संपदा में बदलकर, हम वास्तव में प्रत्येक राज्य को स्वच्छ ऊर्जा की 'लक्ष्मी' बना रहे हैं, जो भारत की समृद्धि में योगदान दे रही है।'' उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर को पूरे देश के लिए टिकाऊ और समावेशी ऊर्जा विकास के मॉडल के रूप में विकसित किया जा सकता है।

राहुल गांधी का व्यवहार बचकाना, कांग्रेस को होगा इसका नुकसान: पटेल

नागपुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर पर निशाना साधने के लिए शुक्रवार को राहुल गांधी की आलोचना की और कहा कि इस तरह के कदमों से अंतत: कांग्रेस को नुकसान होगा।

गांधी ने शुक्रवार को दावा किया कि भारत की विदेश नीति ध्वस्त हो गई है। उन्होंने कहा कि जयशंकर को यह बताना चाहिए कि भारत और पाकिस्तान को एक नजर से क्यों देखा गया और किसने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से दोनों देशों के बीच मध्यस्थता कराने को कहा था। गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भारत की प्रतिष्ठा से समझौता करने का आरोप लगाया था। उन्होंने मोदी से सवाल किया था कि उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य टकराव रोकने पर सहमति जताकर राष्ट्र के हितों की बलि क्यों दी?

इस संबंध में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए पटेल ने कहा, ''यह हमारे देश के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के एक महत्वपूर्ण नेता ऐसी बचकानी बातें कर रहे हैं जो सशस्त्र बलों और प्रधानमंत्री मोदी का मनोबल गिरा रही हैं।''अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा के नेता पटेल ने कहा कि एक ओर जहां ज्यादातर पार्टियां आतंकवाद और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का दृष्टिकोण समझाने के लिए विभिन्न देशों में जा रहे प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा हैं, तो वहीं गांधी इस तरह की तुच्छ बातें कर रहे हैं।

न्यायालय ने ऑनलाइन ऐप पर नियमन के अनुरोध वाली याचिका पर कहा

आईपीएल के नाम पर लोग सट्टेबाजी कर रहे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के नाम पर लोग सट्टेबाजी कर रहे हैं और ऑनलाइन जुआ खेल रहे हैं। न्यायालय ने सट्टेबाजी ऐप को विनियमित करने के अनुरोध वाली जनहित याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने केए पॉल की याचिका पर नोटिस जारी किया, जिन्होंने दावा किया था कि ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े ऐप का इस्तेमाल करने के बाद कई बच्चों ने आत्महत्या कर ली।

याचिकाकर्ता ने यह भी आरोप लगाया कि कई प्रभावशाली लोग, अभिनेता और क्रिकेटर इन ऑनलाइन ऐप का प्रचार कर रहे हैं, जिसके कारण बच्चे सट्टेबाजी की ओर आकर्षित हो रहे हैं। पॉल ने कहा कि सिगरेट के मामले में पैकेट पर धूम्रपान के दुष्प्रभाव अंकित होते हैं, लेकिन सट्टेबाजी ऐप के मामले में इस तरह की कोई चेतावनी प्रकाशित नहीं की जाती और पूर्व भारतीय क्रिकेटर भी आईपीएल में इस तरह के ऐप का प्रचार कर रहे हैं।

पीठ ने कहा, ''आईपीएल के नाम पर बड़ी संख्या में लोग सट्टा लगा रहे हैं और जुए में लिप्त हैं। यह गंभीर मामला है।'' अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए पॉल ने कहा, ''मैं यहां उन लाखों माता-पिता की ओर से पक्ष रख रहा हूं, जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अपने बच्चे खोए हैं। तेलंगाना में 1,023 से अधिक लोगों ने आत्महत्या की, क्योंकि 25 बॉलीवुड और टॉलीवुड सितारों/प्रभावशाली लोगों ने मासूमों की जिंदगी से खिलवाड़ किया।'' उन्होंने यह भी दावा किया कि तेलंगाना में प्रभावशाली लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, क्योंकि मामला मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का है। पीठ ने कहा कि वह ज्यादा कुछ नहीं कर सकती, क्योंकि ये सामाजिक विकृतियां हैं और कानून बनाकर लोगों को सट्टेबाजी में लिप्त होने से नहीं रोका जा सकता।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''क्या किया जा सकता है? सैद्धांतिक रूप से हम आपके साथ हैं कि इसे रोका जाना चाहिए... लेकिन शायद आप इस गलतफहमी में हैं कि इसे कानून के जरिये रोका जा सकता है।'' उन्होंने कहा, ''जैसे हम लोगों को हत्या करने से नहीं रोक सकते, वैसे ही कोई कानून लोगों को सट्टेबाजी या जुआ खेलने से नहीं रोक सकता।'' पॉल ने कहा कि कुछ पूर्व क्रिकेटर भी इन ऐप को बढ़ावा दे रहे हैं, जिसके कारण बहुत से युवा सट्टेबाजी में लिप्त हो रहे हैं। पीठ ने कहा कि वह केंद्र से पूछेगी कि वह इस मुद्दे पर क्या कर रहा है और इस मुद्दे पर सरकार से जवाब तलब किया।

शीर्ष अदालत ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल की सहायता भी मांगी।

जालना में गलत तरीके से 3,595 फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र जारी किये : सोमैया

जालना/भाषा। भाजपा के वरिष्ठ नेता किरीट सोमैया ने शुक्रवार को दावा किया कि महाराष्ट्र के जालना जिले में फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 3,595 जन्म प्रमाण-पत्र जारी किए गए और प्रशासन घर-घर जाकर इन्हें एकत्र करेगा। सोमैया ने जन्म प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों और रिश्वत लेने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। भाजपा नेता ने कहा कि उन्होंने जालना के कलेक्टर के साथ बैठक की थी। उन्होंने दावा किया कलेक्टर ने पुष्टि की है कि जालना नगर निगम और राजस्व विभाग के कर्मचारी फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जारी जन्म प्रमाण-पत्रों को वापस ले रहे हैं।

माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली

हिमाचल प्रदेश की आदिवासी महिला पहली दृष्टिबाधित भारतीय महिला बनीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश में किन्नौर जिले के एक दूरदराज के गांव की आदिवासी महिला छोंजिन आंगमो पूरी तरह दृष्टिबाधित हैं, लेकिन उन्होंने कभी भी इसे अपने सपनों के आड़े नहीं आने दिया।

हेलेन केलर को आदर्श मानने वाली आंगमो उनके इस कथन पर गहराई से विश्वास करती हैं – ''दृष्टिबाधित होने से बुरी बात है आंखों के होते हुए भी दृष्टि (कोई सपना) न होना।'' सोमवार को उन्होंने माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली भारत की पहली दृष्टिबाधित महिला और दुनिया की पांचवीं ऐसी शख्स बनकर इतिहास रच दिया और धरती की सबसे ऊंची चोटी पर तिरंगा फहराया।

भारत-तिब्बत सीमा पर सुदूर चांगो गांव में जन्मीं आंगमो की आठ साल की उम्र में दृष्टि चली गयी थी। इसके बावजूद उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस (महाविद्यालय) से स्नातक और स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। वर्तमान में, वह दिल्ली में 'यूनियन बैंक ऑफ इंडिया' में ग्राहक सेवा सहयोगी के रूप में काम करती हैं।

उनके पिता अमर चंद ने शुक्रवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''मेरी बेटी ने मुझे गौरवान्वित किया है और हम सभी उसकी उपलब्धि से बहुत खुश हैं। लेकिन हमें अभी सटीक जानकारी नहीं है और हम उसके लौटने का इंतजार कर रहे हैं।''

शेयर ब्रोकर, अन्य इकाइयां दिव्यांगों तक अपनी डिजिटल सेवाएं पहुंचाएं: सेबी

नई दिल्ली/भाषा। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को शेयर ब्रोकर समेत बाजार से जुड़ी मध्यवर्ती इकाइयों को दिव्यांग लोगों तक डिजिटल पहुंच देने वाली अपनी सेवाओं का विस्तार करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही सेबी ने ऐसे व्यक्तियों द्वारा खाता खोलने के बारे में अक्सर पूछे जाने वाले सवाल (एफएक्यू) भी जारी किए।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परिपत्र में कहा कि मध्यवर्ती संस्थानों को दिव्यांग लोगों द्वारा खाता खोलने के बारे में मार्गदर्शन एफएक्यू से तय होगा।

नियामक ने कहा, सेबी दृष्टिबाधित व्यक्तियों समेत दिव्यांग व्यक्तियों को अपने पंजीकृत मध्यवर्ती इकाइयों की सेवाओं की समान पहुंच सक्षम करने के लिए प्रतिबद्ध है। डिजिटल केवाईसी प्रक्रिया को समावेशी और सुलभ बनाने के लिए दिव्यांग व्यक्तियों द्वारा खाता खोलने से संबंधित एफएक्यू को संशोधित किया गया है। ये एफएक्यू खाता-आधारित संबंध स्थापित करने वाले मध्यवर्तियों पर लागू होते हैं जिनमें म्यूचुअल फंड भी शामिल हैं। एफएक्यू के तहत, सेबी ने कहा कि ऑनलाइन या डिजिटल केवाईसी की सुविधा सुलभता मानकों को अपनाकर दिव्यांगों तक बढ़ाई जा सकती है। विकलांग व्यक्तियों को ऑनलाइन या डिजिटल केवाईसी की सुविधा देने के लिए मध्यवर्ती को सजीव परिवेश में वीडियो कैप्चरिंग के लिए मदद देनी चाहिए।

शहीद सुरक्षाकर्मियों के परिजन को

सेना प्रमुख ने 'बैज ऑफ सैक्रिफाइज', 'सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर' प्रदान किए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने अपने कर्तव्य निभाते हुए प्राणों की आहुति देने वाले कई सैन्य कर्मियों के परिजनों को शुक्रवार को 'बैज ऑफ सैक्रिफाइज' और 'सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर' प्रदान किए।

वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ये पुरस्कार वीरता व सर्वोच्च बलिदान के लिए एक गहरी प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि हैं। उन्होंने कहा कि ये उन अधिकारियों, जूनियर कमीशन अधिकारियों और अन्य कर्मियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किए गए, जिन्होंने देश की सेवा करते हुए अपनी जान कुर्बान कर दी। जुलाई 1999 में शुरू किए गए 'बैज ऑफ सैक्रिफाइज' और 'सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर' 1947 से लेकर अब तक के संघर्षों में सेवाएं देने वाले सुरक्षा कर्मियों के परिवारों को दिए जाते हैं। अधिकारी ने कहा कि पहली बार 16 दिसंबर, 1999 को विजय दिवस पर ये सम्मान प्रदान किए गए थे। मानेकशॉ सेंटर में यह प्रस्तुति समारोह, यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित औपचारिक रक्षा अलंकरण समारोह के एक दिन बाद हुआ। जनरल द्विवेदी ने कर्नल मनप्रीत सिंह, मेजर आशीष धौंचक, कैप्टन दीपक सिंह, हवलदार रोहित कुमार, नायक दिलवर खान, राइफलमैन रवि कुमार, सिपाही प्रदीप सिंह, पुलिस उपाधीक्षक हिमायूं मुजम्मिल भट (जम्मू-कश्मीर पुलिस) और विजयन कुट्टी जी (सीमा सड़क संगठन) के परिजनों को 'बैज ऑफ सैक्रिफाइज' और 'सर्टिफिकेट ऑफ ऑनर' प्रदान किया।

अगली पीढ़ी तमिल को 50 साल तक जीवंत बनाए रखे : सिंगापुर के मंत्री षणमुगम

सिंगापुर। सिंगापुर के एक मंत्री ने अगली पीढ़ी का आह्वान किया है कि अगले 50 साल तक तमिल भाषा को जीवंत रखा जाए। सिंगापुर की अगली पीढ़ी को जिम्मेदारी संभालने का आह्वान करते हुए कानून मंत्री के. षणमुगम ने कहा, तमिल को अगले 50 वर्ष तक जीवंत बनाए रखने के लिए हमें आप जैसे युवा अग्रदूतों की जरूरत है। धाराप्रवाह तमिल बोलने वाले मंत्री ने अपने विचार नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर तमिल लैंग्वेज (एनयूएस टीएलएस) सोसायटी द्वारा 17 मई को अपनी 50वीं वर्षगांठ मनाए जाने के अवसर पर साझा किए। सिंगापुर के एक साप्ताहिक अखबार ने शुक्रवार को बताया कि एनयूएस टीएलएस के पूर्व छात्र और समारोह के मुख्य अतिथि षणमुगम ने सार्वजनिक जीवन में तमिल के भविष्य के बारे में चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''हमें खुद से पूछना होगा कि क्या 20 या 30 साल बाद भी हमारे पास ऐसे मंत्री होंगे जो मंच पर धाराप्रवाह तमिल बोल सकें।''

तमिलनाडु में पक्षियों की लुप्तप्राय 26 प्रजातियां दर्ज की गईं

चेन्नई। तमिलनाडु में मौजूद पक्षियों की 37 लुप्तप्राय प्रजातियों में से 26 और 17 निशाचर पक्षी प्रजातियों को राज्यव्यापी समन्वित पक्षी गणना 2025 के दौरान दर्ज किया गया। इस वर्ष, वार्षिक पक्षी गणना में लुप्तप्राय पक्षियों और निशाचर पक्षियों के दस्तावेजीकरण पर विशेष जोर दिया गया। दो चरणों वाली गणना के दौरान तमिलनाडु में मौजूद लुप्तप्राय पक्षियों की 37 प्रजातियों में से 26 और 17 निशाचर पक्षी प्रजातियों को दर्ज किया गया। तमिलनाडु में आठ और नौ मार्च को आर्द्रभूमि पक्षियों (अंतरदेशीय और तटीय आर्द्रभूमि दोनों) और 15 और 16 मार्च को स्थलीय पक्षियों (संरक्षित क्षेत्रों के अंदर और बाहर दोनों) के लिए समन्वित पक्षी गणना की गई। आर्द्रभूमि पक्षियों की गणना 934 स्थानों पर की गई और अनुमान के अनुसार 397 पक्षी प्रजातियों के 5,52,349 पक्षियों की गणना की गई। प्रधान मुख्य वन संरक्षक और मुख्य वन्यजीव वार्डन श्रीनिवास आर रेड्डी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इनमें से 1,13,606 पक्षी प्रवासी पक्षी थे और गिनती किए गए पक्षियों में से 49 प्रतिशत तटीय जिलों से थे। स्थलीय पक्षी गणना 1,093 स्थानों पर की गई और 401 पक्षी प्रजातियों के 2,32,519 पक्षियों की गणना की गई। इनमें से 1,13,606 पक्षी प्रवासी पक्षी थे।

आरबीआई को सोने के बदले कर्ज पर प्रतिबंध हटाना चाहिए : पलानीस्वामी

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी ने भारतीय रिजर्व बैंक से आभूषण के बदले ऋण पर लगाई गई नयी शर्तों को तत्काल वापस लेने का आग्रह किया है। पलानीस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि इससे आपातकालीन स्थिति में ऐसे ऋणों पर निर्भर रहने वाले गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार बुरी तरह प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि किसान और व्यापारी समेत गरीब तथा मध्यम वर्ग से आने वाली भारत की 80 प्रतिशत से अधिक आबादी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए धन जुटाने के लिये अपने आभूषण निकटतम सहकारी या राष्ट्रीयकृत बैंकों में गिरवी रख देते हैं। पलानीस्वामी ने एक बयान में कहा, ''विवेकपूर्ण मानदंडों पर आरबीआई के मसौदा दिशानिर्देशों के कारण ये वर्ग बुरी तरह प्रभावित होंगे।''

उन्होंने कहा कि इसके अलावा ऋण-से-मूल्य अनुपात को मौजूदा 80 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत करना तथा उधारकर्ताओं पर अत्यधिक दस्तावेजीकरण का बोझ डालना उधार लेने वालों की ऋण जुटाने की क्षमता को प्रभावित करेगा। तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''अतः जनता के हित में मैं भारतीय रिजर्व बैंक से आग्रह करता हूं कि वह इन नयी शर्तों को तत्काल वापस ले तथा साथ ही यह भी अनुरोध करता हूं कि सोने के बदले कर्ज देने से पहले आभूषण के निजी दुकानों से खरीदे गए सोने के सिक्कों की गुणवत्ता की जांच की जाए। ''

सिद्दरामय्या ने रामनगर का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण करने के फैसले का बचाव किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को रामनगर जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण जिला करने के फैसले का बचाव किया। इससे पहले केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार पर जमीन की कीमतें बढ़ाने के लिए ऐसा करने का आरोप लगाया था।

कर्नाटक सरकार ने बृहस्पतिवार को रामनगर जिले का नाम बदलकर 'बेंगलूरु दक्षिण' करने को मंजूरी दे दी थी। सरकार के मुताबिक बेंगलूरु शहर से करीब 50 किलोमीटर दूर रामनगर शहर पूर्व की तरह जिला मुख्यालय बना रहेगा। इसमें मागड़ी, कनकपुरा, चन्नपटना और हारोहल्ली तालुका भी शामिल होंगे। रामनगर, शिवकुमार का गृह जिला है, जो कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख हैं। शिवकुमार, जिले की कनकपुरा विधानसभा सीट से विधायक हैं और उन्होंने ही सबसे पहले जिले का नाम बदलकर बेंगलूरु दक्षिण करने का प्रस्ताव रखा था।

कुमारस्वामी ने नई दिल्ली में कहा, क्या उन्हें (कांग्रेस सरकार को) लगता है कि वे स्थायी रूप से सत्ता में बने रहेंगे। हालात बदलेंगे। उन्होंने जो नाम दिया है, उसे भविष्य में बदला जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि रामनगर का इतिहास समृद्ध है, जिसने राज्य को तीन मुख्यमंत्री दिए हैं। उन्होंने कहा कि अगर जिले का नाम पूर्व मुख्यमंत्री केंगल हनुमंथैया के नाम पर रखा जाता तो उन्हें खुशी होती।

कुमारस्वामी ने कहा कि 2007 में जब वह मुख्यमंत्री थे तब रामनगर जिले का गठन किया गया था और इसका नाम सबसे बड़े कस्बे के नाम पर रखा गया था। कुमारस्वामी ने आरोप लगाया, वे (कांग्रेस) 2007 में भी विरोध कर सकते थे जब मैंने यह फैसला लिया था लेकिन उन्होंने नहीं किया।

नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लेने दिल्ली पहुंचे स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनिया एवं राहुल से की भेंट

चेन्नई/नई दिल्ली/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन 24 मई को होने वाली नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में हिस्सा लेने के लिए शुक्रवार को दिल्ली पहुंचने के बाद कांग्रेस के शीर्ष नेताओं सोनिया गांधी एवं राहुल गांधी से भेंट की।

वरिष्ठ नेता टी आर बालू के नेतृत्व में तमिलनाडु के सत्तारूढ़ दल द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में स्टालिन का स्वागत किया। बाद में, मुख्यमंत्री ने शीर्ष कांग्रेस नेताओं से मुलाकात की और एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, श्रीमती सोनिया गांधी और प्रिय भाई राहुल गांधी के साथ उनके दिल्ली आवास पर हर मुलाकात एक विशेष गर्मजोशी वाली होती है। कभी भी ऐसा नहीं लगता है कि यह बस एक मुलाकात भर है बल्कि परिवार में पहुंच जाने जैसा लगता है। स्टालिन ने कुछ दिन पहले कहा था कि वह तमिलनाडु के 'उचित वित्तीय अधिकार' की मांग को प्रमुखता से उठाने हेतु बैठक में हिस्सा लेने के लिए दिल्ली की यात्रा करेंगे। स्टालिन ने कहा था, ''मैं विचारधारा पर अडिग रहूंगा। मैं संघर्ष के जरिये तमिलनाडु के लिए धन जुटाऊंगा।'' नीति आयोग की बैठक के लिए मुख्यमंत्री का राष्ट्रीय राजधानी का दौरा तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) द्वारा उनकी कड़ी आलोचना की पृष्ठभूमि में हो रहा है। स्टालिन चार साल बाद नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लेने जा रहे हैं। उन्होंने पिछली बार 2021 में शासी परिषद की बैठक में भाग लिया था। अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेता एडापड्डी के पलानीस्वामी ने आरोप लगाया था कि स्टालिन की दिल्ली यात्रा परिवार के फायदे के वास्ते है।

अशोक लेलैंड लिमिटेड का मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 33.44 प्रतिशत बढ़कर 1,246 करोड़ रुपये

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड लिमिटेड का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 33.44 प्रतिशत बढ़कर 1,245.92 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का 2024 की इसी तिमाही में मुनाफा 933.69 करोड़ रुपये रहा था। अशोक लेलैंड ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया, समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन आय 14,695.65 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 13,542.37 करोड़ रुपये थी। कुल व्यय बढ़कर 13,097.25 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में यह 12,037.16 करोड़ रुपये था।

कंपनी के निदेशक मंडल ने 23 मई 2025 को आयोजित अपनी बैठक में 1:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। हालांकि इसके लिए अभी शेयरधारकों की मंजूरी आवश्यक होगी। समूचे वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 3,382.79 करोड़ रुपये और परिचालन आय 48,535.14 करोड़ रुपये रही।

अशोक लेलैंड के चेयरमैन धीरज हिंदुजा ने कहा, ''...ये आंकड़े हमारे कारोबार के लचीलेपन और ग्राहकों का हम पर भरोसा'' दर्शाते हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेनू अग्रवाल ने कहा कि कंपनी की नकदी स्थिति काफी मजबूत है, जिसने वर्ष का अंत 4,242 करोड़ रुपये के नकद अधिशेष के साथ किया।

बैंकर से पर्वतारोही तक का सफर

केरल की महिला ने एवरेस्ट फतह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के कन्नूर की मूल निवासी और कतर में रहने वाली सफरीना लतीफ पर्वतारोहण में आने से पहले एक बैंकर और बेकर के तौर पर काम करती थीं। लेकिन उनका सपना था: एवरेस्ट चोटी को फतह करना। सफरीना आखिरकार आठ हजार फुट से अधिक ऊंचे एवरेस्ट पर्वत शिखर पर चढ़ने वाली केरल की पहली महिला बन गई हैं।

सफरीना खुद को 'हरफनमौला' बताती हैं, क्योंकि पर्वतारोहण में जाने से पहले उन्होंने बैंकिंग और बेकिंग के क्षेत्र में भी काम किया था। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि को अपने जीवन की अब तक की सबसे कठिन परीक्षा बताते हुए सफरीना ने कहा कि इस चढ़ाई के लिए न केवल शारीरिक फिटनेस, बल्कि मानसिक ताकत भी बहुत महत्वपूर्ण थी। सफरीना 19 अप्रैल को एवरेस्ट के आधार शिविर पहुंचीं, इसके बाद 28 अप्रैल को चढ़ाई शुरू की। उन्होंने 12 मई को एवरेस्ट पर्वत शिखर के लिए चढ़ाई शुरू की और 18 मई को शिखर पर पहुंच गईं।

उन्होंने एवरेस्ट पर चढ़ाई के अपने अनुभवों के बारे में कहा, यह एक मानसिक संघर्ष है, क्योंकि हम बहुत सी अप्रत्याशित चीजें देखते हैं, जैसे हिमस्खलन, चट्टानों का गिरना और उन पर्वतारोहियों के शव, जिन्होंने हमारी ही तरह समान आकांक्षाओं और सपनों के साथ इस पर्वत शिखर पर चढ़ने का प्रयास किया था।

सफरीना ने नेपाल से 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक संदेश साझा करते हुए कहा, चढ़ाई के दौरान रास्ते में पड़ी लाशें आपको हिलाकर रख देती हैं। हो सकता है कि आप भी अगली लाश हों -- यह विचार आपके दिमाग में आता है। शिखर तक पहुंचने के लिए आपको इन सबसे लड़ना होता है। हालांकि, 30 वर्ष की उम्र पार कर चुकी सफरीना लतीफ ने कहा कि शिखर तक पहुंचना बेहद रोमांचकारी है, क्योंकि वहां से दृश्य बहुत सुंदर दिखता है।

सफरीना ने कहा, ''आप दुनिया के सबसे ऊपर, बादलों के ऊपर हैं। आपके ऊपर कुछ भी नहीं है, यही एहसास आपको होता है। इसे बयां करना मुश्किल है। आपको इसे अनुभव करना होगा।'' सफरीना लतीफ पिछले 25 वर्षों से कतर में रह रही हैं। उन्होंने कहा, ''हमें अपनी खुशी स्वयं ढूंढनी होती है और इसके लिए हम दूसरों पर निर्भर नहीं रह सकते।''

केरल में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, छह जिलों में जारी 'ऑरेंज अलर्ट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल के विभिन्न भागों में जारी भारी बारिश से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को राज्य के छह जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी ने यह भी बताया कि अगले दो दिनों में राज्य में मानसून के दस्तक देने की संभावना है और अगले सात दिनों के दौरान केरल में भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने राज्य के त्रिशूर, मलप्पुरम, कोझिकोड, वायनाड, कन्नूर और कासरगोड जिलों में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

विभाग ने इसके अलावा कन्नूर और कासरगोड में 24 से 26 मई तक तथा मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में 25 व 26 मई के लिए 'रेड अलर्ट' जारी किया है। आईएमडी ने 26 मई के लिए पथनमथिट्टा और इडुक्की जिलों में भी 'रेड अलर्ट' जारी किया। मौसम विभाग ने 24 मई के लिए राज्य के नौ जिलों में, 25 मई को सात, 26 मई को चार और 27 मई को छह जिलों के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। 'रेड अलर्ट' 24 घंटों में 20 सेंटीमीटर (सेमी) से अधिक भारी बारिश, ऑरेंज अलर्ट' में 11 से 20 सेमी तक बहुत भारी बारिश और येलो अलर्ट' में छह सेमी से 11 सेमी के बीच भारी बारिश को दर्शाता है। आईएमडी ने यह भी बताया कि तटीय क्षेत्रों और अंदरूनी इलाकों में तेज हवाएं चलने का अनुमान है और मछुआरों समेत लोगों को एहतियाती कदम उठाने की की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने निर्देश दिया कि शुक्रवार से 27 मई तक केरल-कर्नाटक-लक्षद्वीप तटों पर मछली पकड़ने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस बीच, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केंद्र (आईएनसीओआईएस) ने बताया कि शनिवार को राज्य के तटीय क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर 3.5 मीटर तक ऊंची लहरें उठने की संभावना है।

'नायकन' के 35 साल बाद कमल हासन और मणिरत्नम फिर साथ आए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। सिनेमा के दो दिग्गज अभिनेता कमल हासन और निर्देशक मणिरत्नम 35 साल बाद एक बार फिर साथ काम कर रहे हैं। इतने अर्से बाद साथ आने को लेकर हासन का कहना है कि समय बहुत तेजी से आगे बढ़ गया। वहीं निर्देशक मणिरत्नम की इच्छा है कि वह उनके (हासन के) साथ हर फिल्म में काम करें क्योंकि दोनों की दोस्ती उनकी युवावस्था से चली आ रही है। कमल हासन और मणिरत्नम 'नायकन' के 35 साल बाद फिर साथ में काम कर रहे हैं। फिल्म जगत की इन दो महान शख्सियतों ने बीते दशकों को याद याद किया।

मणिरत्नम की आगामी फिल्म 'ठग लाइफ' में कमल हासन अहम भूमिका में नजर आएंगे। यह फिल्म वर्ष 1987 की तमिल फिल्म का अगला भाग है, जिसमें एक ऐसे व्यक्ति के जीवन को दिखाया गया है जो मुंबई की झुग्गियों से निकलकर एक डॉन बन जाता है। भारत में इस शैली की सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक मानी जाने वाली 'नायकन' ने तीन राष्ट्रीय पुरस्कार जीते तथा 1988 में इसे भारत की आधिकारिक प्रविष्टि के रूप में ऑस्कर पुरस्कार समारोह के लिए भेजा गया था।

अब 'ठग लाइफ' में कमल हासन ने 'नायकन' के अपने उसी किरदार को निभाया है। फिल्म में कमल के किरदार का नाम शक्तिवेल नायकर है। 'ठग लाइफ' बनाने का विचार हासन को आया था, जिन्होंने बाद में मणिरत्नम के साथ मिलकर इसकी पटकथा लिखी और फिल्म के निर्देशन के लिए मणिरत्नम को चुना। दोनों को साथ काम करने के लिए इतना लंबा इंतजार करना पड़ा, इस पर मणिरत्नम ने कहा कि वह जब भी किसी फिल्म पर काम करना शुरू करते हैं तो उसमें कमल हासन को लेना चाहते हैं।

मणिरत्नम (68) ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, ''मैंने अब तक जो भी फिल्म बनाई हैं, मैं चाहता था कि कमल उसमें काम करें। इसलिए मैं खुश हूं कि आखिरकार, मैं एक ऐसी फिल्म कर रहा हूं जिसमें कमल अभिनय कर रहे हैं। अब समय आ गया है कि मैं फिल्म बनाऊं।'' मणिरत्नम ने 'रोजा', 'इरुवर', 'बॉम्बे', 'दिल से' और दो भाग वाली महाकाव्य 'पोन्नियन सेलवन' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। मणिरत्नम के बगल में बैठे कमल हासन ने भी ऐसे ही विचार व्यक्त किए।

कमल हासन ने कहा, समय हमसे ज्यादा तेजी से आगे बढ़ रहा है... लेकिन देर आए दुरुस्त आए।'' अभिनेता ने हाल में एक बयान में कहा था कि उनकी दोस्ती 'नायकन' से पहले की है, जिसकी शुरुआत चेन्नई में हासन के एल्डम्स रोड स्थित घर पर सिनेमा को लेकर उनकी चर्चा से हुई। हासन ने पांच साल की उम्र में 'कलाथुर कन्नम्मा' (1960) से एक बाल कलाकार के रूप में अपना करियर शुरू किया और 1980 के दशक तक एक बड़े अभिनेता बन गए।

मणिरत्नम ने कहा कि 1980 के दशक में कमल हासन अक्सर प्रतिभाशाली लोगों के साथ अपने घर पर सिनेमा को लेकर चर्चा किया करते थे। मणिरत्नम ने उस दौर को याद करते हुए कहा, तमिल सिनेमा को एक नया अभिनेता-स्टार मिल गया था और वह शीर्ष पर था। लेकिन, उसने फिल्म जगत से जुड़े लोगों के लिए अपने घर के दरवाजे हमेशा खुले रखे। वहां लेखक, अभिनेता, तकनीशियन आ सकते थे तथा उनके साथ समय बिताने के अलावा उनसे बातचीत कर सकते थे।

हासन ने कहा कि उन दिनों उन्होंने जो चर्चा की थी, उसमें से अधिकांश बातें वे शायद भूल चुके हैं, लेकिन वे उस दौर को 'निडर समय' के रूप में याद करते हैं। कमल हासन ने भी सिनेमा के उस दौर को याद करते हुए कहा, यह जिम्मेदारी की कमी नहीं थी। हम जिम्मेदारी चाहते थे। लेकिन इसमें से कुछ भी वित्तीय नहीं था। हम कुछ भी करने के लिए तैयार थे। हमने कभी पैसे के बारे में नहीं सोचा... क्योंकि हम दोनों ही पैसे कमाने के लिए फिल्मों में नहीं आए थे। हम गरीबी दूर करने के लिए फिल्मों में नहीं आए थे। इससे हमें जल्दबाजी में कुछ न करने की सुरक्षा का लाभ मिला।'' कमल हासन ने स्वीकार किया कि उन्होंने लगभग 150 फिल्मों में अभिनय किया है, और उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए था। अभिनेता ने कहा, अगर मैं बाकी 100 फिल्मों पर गौर करूं तो भी एक श्रेणी ऐसी है जहां मैं कुछ फिल्मों को शीर्ष पंक्ति में रखूंगा क्योंकि कोई एक फिल्म शीर्ष पर नहीं हो सकती।

तमन्ना भाटिया को केएसडीएल का ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने पर कन्नड़ समर्थक समूहों का विरोध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार के 'कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट्स लिमिटेड' (केएसडीएल) के लिए अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किए जाने के फैसले को लेकर शुक्रवार को यशवंतपुर स्थित केएसडीएल फैक्टरी के बाहर कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच, राज्य के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री एम. बी. पाटिल ने इस फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह कदम केएसडीएल उत्पादों को वैश्विक ब्रांड बनाने की दिशा में उठाया गया है। कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को तमन्ना भाटिया को केएसडीएल का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया था। केएसडीएल प्रसिद्ध मैसूरु सैंडल साबुन बनाती है। तमन्ना भाटिया के साथ दो साल और दो दिन के इस अनुबंध के लिए राज्य सरकार को 6.2 करोड़ रुपये खर्च करने होंगे।

संवाददाताओं से बातचीत में पाटिल ने कहा, हमने एक अंतरराष्ट्रीय ब्रांड तैयार किया है। हम नयी पैकेजिंग के साथ पश्चिमी देशों और खाड़ी क्षेत्र समेत इसे दुनिया भर में बेचने जा रहे हैं। हमने दीर्घकालिक रणनीति के तहत तमन्ना को इससे जोड़ा है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय विशेषज्ञों की अध्यक्षता वाली एक समिति के माध्यम से लिया गया है।

मैंने और मेरे भाई ने नेशनल हेराल्ड को पैसे दान दिए हैं : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/विजयपुरा। नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी के आरोप पत्र में अपना नाम आने की खबरों के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने और उनके भाई डी. के. सुरेश ने कांग्रेस द्वारा संचालित समाचार पत्र को पैसे दान दिए हैं।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शिवकुमार का समर्थन करते हुए कहा कि पैसे दान करने में कुछ भी गलत नहीं है।

शिवकुमार ने विजयपुरा जिले के कोल्हार गांव में संवाददाताओं से कहा, मैंने और डी के सुरेश ने नेशनल हेराल्ड को 25-25 लाख रुपये दान दिए हैं। इसमें क्या गलत है। हमने अपनी पार्टी द्वारा संचालित अखबार को दान दिया है।

वह एक पत्रकार के इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि उनका और सुरेश का नाम नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आरोप पत्र में शामिल है। जब उनसे कहा गया कि 2.5 करोड़ रुपए दान दिए गए हैं, तो उन्होंने कहा, हां हमने ट्रस्ट को दिए हैं। हम इससे इनकार नहीं कर रहे। क्या हमने चुपके से दिए हैं? नहीं। हमने अपनी आय से खुलेआम पैसे दिए हैं।

शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने पैसे दान दिए हैं और भविष्य में भी वे ऐसा ही करते रहेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि ईडी के आरोप पत्र में उनका नाम शामिल करने के पीछे राजनीति है।

अंता से विधायक कंवरलाल मीणा विधानसभा सदस्यता से अयोग्य घोषित

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कंवरलाल को राजस्थान विधानसभा की सदस्यता से दोष सिद्धि की तारीख से अयोग्य कर दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में बारां जिले में अंता विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक कंवर लाल मीणा को एक मामले में तीन साल की सजा होने के बाद विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया हैं। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कंवरलाल को राजस्थान विधानसभा की सदस्यता से दोष सिद्धि की तारीख से अयोग्य कर दिया। देवनानी ने बताया कि शुक्रवार को सुबह साढ़े दस बजे महाधिवक्ता की विधिक राय प्राप्त होते ही कंवरलाल की सदस्यता अयोग्य कर दी गई। उन्होंने बताया कि अंता से विधायक कंवरलाल दोष सिद्धी की दिनांक से भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) सहपठित लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8 (3) के तहत निरर्हित (अयोग्य) हो गए है।

उन्होंने बताया कि इससे राजस्थान विधानसभा में एक स्थान अंता रिक्त हो गया है। उल्लेखनीय है कि कंवरलाल मीणा को करीब बीस साल पुराने एसडीएम को पिस्टल दिखाने और सरकारी कार्य में बाधा डालने के मामले में तीन साल की सजा हुई थी और इस मामले में गत सात मई को उच्चतम न्यायालय से राहत नहीं मिलने के बाद मीणा ने 21 मई को झालावाड़ा जिले में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (एसीजेएम) कोर्ट मनोहरथाना में आत्मसमर्पण कर दिया था और इसके बाद विधायक को जेल भेज दिया गया। तीन फरवरी 2005 को झालावाड़ ज़िले के मनोहर थाना क्षेत्र में उपसरपंच चुनाव के दौरान मीणा ने एसडीएम रामनिवास मेहता को पिस्तौल दिखाकर वोटों की दुबारा गिनती कराने के लिए धमकी दी थी। इस मामले में निचली अदालत में वह वर्ष 2018 में बरी हो गए थे लेकिन एडीजे कोर्ट अकलेरा ने 2020 में उन्हें दोषी करार देते हुए तीन साल की सजा सुनाई। इसके बाद मीणा ने उच्च न्यायालय की शरण ली लेकिन वहां भी मीणा को राहत नहीं मिली और उच्च न्यायालय ने गत एक मई को यह सजा बरकरार रखी और इसके बाद उच्चतम न्यायालय से भी उन्हें राहत नहीं मिली।

कंवरलाल मीणा के विधानसभा सदस्यता से अयोग्य घोषित होने के बाद देवनानी ने विपक्ष द्वारा लगाये गये आरोपों पर कहा कि वह किसी भी प्रकार के दबाव में कार्य नहीं करते है। उन्होंने कहा कि वह किसी भी मामले में उससे सम्बंधित प्रत्येक पहलू का गहन अध्ययन करके ही विधि सम्मत और न्याय सम्मत ही निर्णय लेते है। इससे पहले भी विधानसभा से संबंधित अनेक विषयों पर विधानसभा के तत्कालीन अध्यक्षों ने बहुत अधिक समय लिया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी प्रकार की राजनीति नहीं की जानी चाहिए। देवनानी ने कहा कि विधायक कंवरलाल के संबंध में न्यायालय द्वारा दिये गये फैसले के दिन ही राज्य के महाधिवक्ता को विधिक राय दिये जाने के लिये निर्दिष्ट कर दिया गया था। ऐसे मामलों में दोष सिद्धी की दिनांक से ही विधानसभा सदस्य, विधानसभा की सदस्यता से निरर्हित हो जाता है। विधानसभा क्षेत्र के रिक्ति होने की सूचना राजस्थान विधानसभा द्वारा जारी की जाती है। देवनानी ने बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 177 में राज्य के महाधिवक्ता को विधानसभा के सदन में कार्रवाई में भाग लेने और राय देने का अधिकार होता है।

आखिर न्याय और संविधान की हुई जीत : टीकाराम जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सजायाफ्ता अन्ता विधायक कंवरलाल मीणा को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित किये जाने को न्याय और सत्य की जीत बताया है। जूली ने कंवरलाल मीणा को विधानसभा सदस्यता से अयोग्य कर दिए जाने के बाद अपनी प्रतिक्रिया में शुक्रवार को कहा सत्यमेव जयते, यह कांग्रेस के संघर्ष की जीत है। उन्होंने कहा हमारे राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का यह संकल्प है कि हमें संविधान को बचाना है और उसके लिए सतत संघर्षरत रहना है।

उनके बताए रास्ते पर चलकर ही हमारी लड़ाई संविधान को बचाने के लिए थी और कांग्रेस इसके लिए संकल्पित और संघर्षरत रही और आखिर में संविधान की जीत हुई और उसका सम्मान बना रहा। उन्होंने इसे कांग्रेस पार्टी के संविधान बचाओ संघर्ष की जीत बताया है। उन्होंने कहा कि हमारी लडाई तो संविधान और विधानसभा के प्रक्रिया नियमों की गरिमा को बनाए रखने के लिए थी परन्तु विधानसभा अध्यक्ष ने निर्णय लेने में अनावश्यक देरी की जिसके कारण विधायक पद पर रहते हुए वो जेल गए और विधानसभा की गरिमा धूमिल हुई।

जूली ने बताया कि कंवरलाल मीणा को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित करने के लिए कांग्रेस विधायक दल के सदस्यों ने तीन बार विधानसभा अध्यक्ष और राज्य के संवैधानिक प्रमुख पद पर आसीन राज्यपाल के समक्ष ज्ञापन के माध्यम से अपनी बात को रखा इसके बाद भारत के निर्वाचन आयोग में अपनी शिकायत दर्ज की लेकिन इस सम्बन्ध में संवैधानिक प्रावधानों और नियमों की रक्षा के बजाय सजायाफ्ता विधायक की सदस्यता को बचाए रखने के लिए नित नए प्रयास किए जाने लगे। आखिर में न्याय की प्रत्याशा में न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा और राजस्थान उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई जिसमें बुधवार को सुनवाई की जानी थी। उन्होंने कहा कि आगे होने वाली किरकिरी को देखते हुए कंवरलाल मीणा को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य करने का निर्णय लेना पडा।

सलमान खान काला हिरण शिकार मामले में अब तक सजा नहीं मिलने से रोष : जाजू

भीलवाड़ा। राजस्थान में जोधपुर के कांकाणी गांव में वर्ष 1998 में 'हम साथ साथ है' फिल्म की शूटिंग के दौरान हुए बहुचर्चित काले हिरण शिकार मामले में अभिनेता सलमान खान को सजा सुनाये जाने के बाद अब तक सजा नहीं मिलने पर वन्यजीव प्रेमियों में रोष है। वाइल्ड लाइफ क्राइम कंट्रोल ब्यूरो के पूर्व विशेषाधिकारी एवं वन्यजीव संरक्षण संस्था पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी बाबूलाल जाजू ने इस मामले में वन विभाग की ओर से उच्च न्यायालय में ठोस पैरवी नहीं करने का आरोप लगाते हुये कहा कि वन विभाग की शिथिलता से शिकारी बेखौफ होकर शिकार करते हैं, उन्हें कानून का डर नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि वन विभाग अपनी जिम्मेदारी का ठीक से निर्वहन करता तो इस मामले में न्याय हो चुका होता और दोषी सलमान खान को सजा मिल चुकी होती। उन्होंने कहा कि न्याय में देरी का सीधा असर वन्यजीव संरक्षण पर पड़ता है। जब बड़े नाम वाले अपराधी कानून की पकड़ से बच निकलते हैं, तो आम शिकारी के मन में कानून का डर नहीं रहता और यह स्थिति वन्यजीवों के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है।

जाजू ने वन विभाग के उच्चाधिकारियों से आगामी सुनवाई 28 जुलाई को उच्च न्यायालय में ठोस पैरवी करते हुए सलमान खान की सजा को यथावत रखवाने, शीघ्र सुनवाई के लिए न्यायालय में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करने, वन्यजीव संरक्षण कानूनों का प्रभावी क्रियान्वयन करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि काले हिरण शिकार के मामले में दोषियों को सजा के लिए जाजू के नेतृत्व में जोधपुर उच्च न्यायालय के बाहर 1998 में धरना प्रदर्शन भी किया गया था।

कोटा में छात्रों की आत्महत्या के मामले में न्यायालय ने राजस्थान सरकार को आड़े हाथ लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/जयपुर। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कोटा शहर में छात्रों की आत्महत्या के मामलों में वृद्धि पर राजस्थान सरकार को आड़े हाथों लिया और स्थिति को 'गंभीर' बताया। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि इस साल अब तक शहर से आत्महत्या के 14 मामले सामने आए हैं। न्यायमूर्ति पारदीवाला ने राजस्थान राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील से पूछा, आप एक राज्य के रूप में क्या कर रहे हैं? ये बच्चे आत्महत्या क्यों कर रहे हैं और केवल कोटा में ही क्यों? क्या आपने एक राज्य के रूप में इस पर विचार नहीं किया?

वकील ने कहा कि आत्महत्या के मामलों की जांच के लिए राज्य में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। शीर्ष अदालत आईआईटी, खड़गपुर में पढ़ने वाले 22 वर्षीय छात्र की मौत के मामले की सुनवाई कर रही थी। छात्र 4 मई को अपने छात्रावास के कमरे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ पाया गया था। न्यायालय एक अन्य मामले से भी निपट रहा है, जिसमें नीट परीक्षा की अभ्यर्थी एक लड़की कोटा में अपने कमरे में मृत मिली थी, जहां वह अपने माता-पिता के साथ रहती थी। पीठ को पता चला कि आईआईटी खड़गपुर के छात्र की मौत के संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। हालांकि, शीर्ष अदालत ने 8 मई को दर्ज की गई एफआईआर में चार दिन की देरी पर सवाल उठाया। पीठ ने कहा, इन बातों को हल्के में न लें। ये बहुत गंभीर बातें हैं।

पीठ ने शीर्ष अदालत के 24 मार्च के फैसले का हवाला दिया, जिसमें उच्च शिक्षण संस्थानों में छात्रों की आत्महत्या के बार-बार सामने आने वाले मामलों पर ध्यान दिया गया था और छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को दूर करने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एक राष्ट्रीय कार्य बल का गठन किया गया था। पीठ ने शुक्रवार को कहा कि फैसले के अनुरूप ऐसे मामलों में प्राथमिकी का तुरंत दायर किया जाना आवश्यक है। पीठ ने अदालत में मौजूद संबंधित पुलिस अधिकारी से पूछा, आपको प्राथमिकी दर्ज करने में चार दिन क्यों लगे? अधिकारी ने कहा कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और मामले की जांच चल रही है।

पीठ ने उनसे कहा, आप कानून के अनुसार जांच जारी रखें। यह बात रिकॉर्ड में आई कि आईआईटी खड़गपुर के अधिकारियों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद आत्महत्या के बारे में उसे पता चला। हालांकि पीठ आईआईटी खड़गपुर के वकील और पुलिस अधिकारी के स्पष्टीकरण से संतुष्ट नहीं थी। उसने कहा, हम इस मामले में बहुत सख्त रुख अपना सकते थे। पीठ ने कहा कि जांच सही दिशा में तेजी से की जानी चाहिए। कोटा आत्महत्या मामले में पीठ ने प्राथमिकी दर्ज न करने को गलत ठहराया। राज्य के वकील ने कहा कि मामले की जांच जारी है और एसआईटी को राज्य में आत्महत्या के मामलों की जानकारी है। पीठ ने वकील से पूछा, कोटा में अब तक कितने छात्रों की मौत हुई है? वकील द्वारा 14 कहने के बाद पीठ ने कहा, ये छात्र क्यों मर रहे हैं?

पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा गठित कार्य बल को समग्र रिपोर्ट देने में समय लगेगा। पीठ ने राजस्थान के वकील से पूछा, आप हमारे फैसले की अवमानना ङ्क्कर रहे हैं। आपने प्राथमिकी क्यों दर्ज नहीं की? पीठ ने कहा कि छात्रा अपने संस्थान द्वारा उपलब्ध कराए गए आवास में नहीं रह रही थी, जिसे उसने नवंबर 2024 में छोड़ दिया और अपने माता-पिता के साथ रहने लगी। पीठ ने कोटा मामले में संबंधित पुलिस अधिकारी को 14 जुलाई को स्थिति स्पष्ट करने के लिए तलब किया है।

स्वस्ति धाम मंदिर से एक करोड़ के सोना-चांदी के आभूषण चोरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के जहाजपुर कस्बे में शाहपुरा रोड स्थित स्वस्ति धाम से अज्ञात चोर एक करोड़ से ज्यादा के सोना चांदी के आभूषण चुरा ले जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार स्वस्ति धाम मंत्री पारस जैन द्वारा इस संबंध में पुलिस में दी रिपोर्ट में बताया कि मुनि सुव्रतनाथ भगवान की गर्भ गृह में स्थापित प्रतिमा के सिर के पीछे एक सूर्याकार भामडल लगा हुआ था जो बेशकीमती सोने चांदी से निर्मित है जिसमें लगभग 1305 ग्राम सोना एवं लगभग तीन किलोग्राम चांदी से निर्मित था। प्रतिमा के सामने कीमती धातु का कछुवा रखा हुआ था। इसी के साथ आदिनाथ भगवान की वेदी से स्वर्ण पोलिस यन्त्र रखा हुआ था।

रिपोर्ट में कहा कि 22 माई की मध्य रात्रि करीबन 12 से एक बजे के बीच अज्ञात व्यक्ति जिसने सफेद रंग की शर्ट एवं नीले रंग का पेंट पहना हुआ था, मंदिर में अनाधिकृत रूप से घुसकर मूर्ति के पीछे लगे भामडल, मूर्ति के सामने रखे कछुवे, स्वर्ण पोलिस युक्त यन्त्र को चुरा लिया। मन्दिर के नीचे जहाज मंदिर की खिडकी से चुन्नी को फांदकर चला गया। इसकी जानकारी भगवान का अभिषेक करते समय करीब सुबह आठ बजे हुई जिस पर पुलिस को सुचना दी। उक्त अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी की घटना का अंजाम दिया जिसकी सारा घटनाक्रम सीसीटीवी कैमरे में रिकार्ड हुआ।

प्रत्येक घर तक जल पहुंचाने के लिए अधिकारी प्रभावी मॉनिटरिंग करें : कन्हैयालाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल विभाग मंत्री कन्हैयालाल ने शुक्रवार को सीकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिले की जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने जल जीवन मिशन और अमृत-2 योजना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की और विभागीय कार्यों में और अधिक प्रगति लाने के निर्देश दिए। भू-जल मंत्री कन्हैयालाल ने विभागीय अधिकारियों को जल जीवन मिशन और अमृत-2 योजना के तहत प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने और प्रत्येक घर तक जल पहुंचाने के लिए ठोस कदम उठाने को कहा। उन्होंने अधीक्षण अभियंता, सीकर को निर्देश दिए कि वे विधानसभावार उन गांवों की सूची तैयार करें, जहां अभी तक पानी की आपूर्ति नहीं हो पाई है।

यह सूची संबंधित एसडीएम और क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों के साथ साझा कर समन्वय के साथ कार्य करने और जल आपूर्ति में आ रही समस्याओं का त्वरित समाधान करने को कहा। उन्होंने जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा को जल जीवन मिशन के कार्यों की सख्त मॉनिटरिंग करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, जनप्रतिनिधि स्तर पर भी इन कार्यों की निगरानी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने विशेष रूप से दांतारामगढ़, फतेहपुर, धोद और खंडेला जैसे जल की कमी वाले क्षेत्रों में प्रभावी मॉनिटरिंग और त्वरित कार्रवाई पर जोर दिया गया।

भू-जल मंत्री कन्हैयालाल ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल जीवन मिशन की रूपरेखा तैयार की गई है, जिसका लक्ष्य अगले 30 वर्षों तक प्रत्येक घर में नल के माध्यम से स्वच्छ जल उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर ग्रीष्मकालीन आकस्मिक योजना के लिए जिलों की मांग के अनुसार पर्याप्त धनराशि आवंटित की गई है। उन्होंने ठेकेदारों की कार्यप्रणाली पर सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि जल जीवन मिशन के तहत कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों को ब्लैक लिस्ट किया जाए। साथ ही, आपणी योजना के तहत लक्ष्मणगढ़ और फतेहपुर में प्रोजेक्ट के तहत पानी की आपूर्ति की प्रगति रिपोर्ट 15 दिनों में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने पाइप लाइन बिछाने के बाद सीसी कार्य और उच्च गुणवत्ता की पाइप का उपयोग सुनिश्चित करने तथा ट्यूबवेल की गहराई बढ़ाने के लिए अतिरिक्त पाइप डालने के प्रस्ताव भिजवाने के निर्देश दिए। भू-जल मंत्री ने अमृत-2 योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, राज्य सरकार की बजट घोषणाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में जिले के जनप्रतिनिधियों ने अपने क्षेत्रों में जल से संबंधित समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा। इस पर जिला कलेक्टर ने मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि आगामी सप्ताह में जल जीवन मिशन और अमृत-2 योजना से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की उपस्थिति में समीक्षा बैठक आयोजित की जाए।

एसएमएस अस्पताल में खून चढ़ाए जाने के बाद गर्भवती महिला की मौत

जयपुर। जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल में एक गर्भवती युवती की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि गलत (बेमेल) खून चढ़ाए जाने के कारण ऐसा हुआ। हालांकि चिकित्सकों ने किसी भी चूक से इनकार किया है। अधिकारियों ने कहा कि टोंक जिले की 23 वर्षीय चैना को 12 मई को गंभीर रूप से कम हीमोग्लोबिन स्तर, तपेदिक और अन्य स्वास्थ्य जटिलताओं के साथ अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बुधवार को उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 19 मई को एक जांच के आधार पर अस्पताल के रक्त बैंक से खून मंगवाया गया जिसमें कथित तौर पर उसके रक्त समूह 'ए पॉजिटिव' वाला खून था। सूत्रों ने कहा कि उसे अगले दिन रक्त चढ़ाया गया था।

सूत्रों के अनुसार बाद में एक जांच में संकेत मिला कि युवती का रक्त समूह 'बी पॉजिटिव' था जिससे बेमेल खून चढ़ाए जाने का संदेह हुआ। खून चढ़ाए जाने के बाद बुखार, ठंड लगना जैसे लक्षणों का उल्लेख किया गया है। उपचार करने वाली चिकित्सक स्वाति श्रीवास्तव ने खून चढ़ाने (ट्रांसफ्यूजन) की प्रक्रिया में किसी भी तरह की चूक से इनकार किया है। उन्होंने कहा, मैं उस समय छुट्टी पर थी।

जिला साथी समिति के सदस्यों के लिए आमुखीकरण कार्यशाला का हुआ आयोजन

जयपुर। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला, जयपुर महानगर प्रथम व जयपुर महानगर द्वितीय द्वारा संयुक्त रूप से शुक्रवार को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा जारी साथी अभियान के तहत जयपुर क्षेत्र हेतु गठित जिला साथी समिति के सदस्य हेतु आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन हुआ। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला पवन कुमार जीनवाल, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर प्रथम दीपेन्द्र माथुर एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर महानगर द्वितीय श्रीमती पल्लवी शर्मा ने कार्यक्रम शिरकत की। इस दौरान पवन कुमार जीनवाल ने योजना की रूपरेखा समझाते हुए समिति के सदस्यों को समिति द्वारा संपादित किये जाने वाले कार्यों की मूलभूत जानकारी प्रदान की।

उन्होंने बताया कि अभियान का उद्देश्य 18 वर्ष से कम आयु के वे बच्चे जिनके पास परिवार का समर्थन, संरक्षकता या आश्रय, सुरक्षा और देखभाल का कोई स्थिर स्त्रोत नहीं है, इसके अलावा सड़को पर, झुग्गी-झोपड़ियों में या रेलवे स्टेशनों पर रहने वाले बच्चे, बाल देखभाल संस्थानों में रहने वाले, नहीं रहने वाले अनाथ बच्चे, परित्यग बच्चे या तस्करी, भीख मांगने, बाल श्रम से बचाए गए बच्चे, अनौपचारिक आश्रयों या अपंजीकृत बाल देखभाल गृहों में रहने वाले बच्चे, लापता बच्चे जो बरामद हुए है और जिन्हें परिवार को नहीं सौंपा गया है ऐसे बच्चों की पहचान कर उनका आधार पंजीकरण और कानूनी सहायता प्रदान करना है।

कार्यक्रम के दौरान समिति के सदस्य ब्रजमोहन मीणा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण, राजेश जाखड एसडीएम जयपुर, अंजू वर्मा एसडीओ सांभर, बजरंग स्वामी एसडीएम आमेर, प्रियंका पंवार सीडीपीओ, श्रीमती अनिता मुवाल उपनिदेशक बाल संरक्षण इकाई जयपुर, डॉ. रवि शेखावत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम, डॉ. मनीष मित्तल मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर द्वितीय, सुनील सिंघल जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक, बी.पी. चंदेल संयुक्त निदेशक समाज कल्याण विभाग, पैनल अधिवक्तागण व पैरालीगल वालेंटियर्स (अधिकार मित्र) आदि उपस्थित रहे।

अभियंता तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर। राजस्थान में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने करौली जिले के हिण्डौन सिटी में शुक्रवार को सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता भवानी सिंह मीणा को तीन लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। ब्यूरो के महानिदेशक डा रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी करौली को परवादी ने शिकायत की कि उसकी फर्म द्वारा कराये गये पेच रिपेंरिंग कार्यों की 43.19 लाख में से 10 लाख रुपये का बिल बनाकर 8.35 लाख का फर्म को भुगतान करने एवं शेष राशि का भी स्वयं द्वारा भुगतान कराने की कहकर बतौर कमीशन तीन लाख रुपये रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है। मेहरड़ा ने बताया कि आरोपी ने रिश्वत के तीन लाख रुपये परिवादी को उसके लडके सहित अपने निज आवास गंगापुर सिटी पर बुलाकर परिवादी से प्राप्त करना एवं प्राप्त की गई।

इस दौरान एसीबी की ट्रेप कार्रवाई में तीन लाख रुपये की राशि आरोपी के कब्जे से मकान के अन्दर बैडरूम में बिछे डबल बैड के उपर बिछी चादर पर रखी हुई बरामद होने पर अधिशासी अभियंता को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी से पूछताछ तथा कार्यवाही जारी है। एसीबी द्वारा मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अन्तर्गत प्रकरण दर्ज कर अग्रिम अनुसंधान किया जाएगा।

जोधपुर में लू की चेतावनी, प्रशासन ने अनावश्यक धूप में न निकलने की दी सलाह

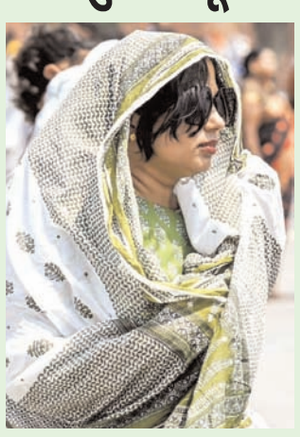

जोधपुर/दक्षिण भारत । गर्मी का प्रकोप देश में लगातार बढ़ रहा है। राजस्थान का जोधपुर में पारा लगातार 44-45 डिग्री सेल्सियस के पास रह रहा है। अगले एक सप्ताह में लू की भी चेतावनी जारी की गई है। जिलाधिकारी गौरव अग्रवाल ने जिले के लोगों से धूप में अनावश्यक न निकलने का आग्रह किया है। गौरव अग्रवाल ने प्रेस वार्ता में कहा, इस बार मौसम विभाग की तरफ से हीट वेव की चेतावनी है। ऐसे में जिला प्रशासन की तरफ से एडवाइजरी जारी की गई है जिसके मुताबिक, दोपहर के समय में, जब धूप बहुत ज्यादा होती है, बाहर निकलने से बचें। अगर बहुत ज्यादा जरूरी हो तो खाली पेट न निकलें। जिलाधिकारी ने कहा, हीट वेव से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए जिले के सभी अस्पतालों में विशेष व्यवस्था करवाई गई है। विशेष वार्ड का निर्माण कराया गया है। इसके बावजूद मैं सभी से यह कहना चाहूंगा कि धूप में अनावश्यक घर से बाहर निकलने से बचें।

जिलाधिकारी ने लोगों से बेहद जरूरी काम होने की स्थिति में घर से बाहर निकलते समय पारंपरिक पेय पदार्थ जैसे छाछ आदि पीकर निकलने की अपील की। मौसम विभाग की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक, जोधपुर का तापमान 23 से 29 मई के बीच न्यूनतम 30 डिग्री से अधिकतम 45 डिग्री तक रहेगा। इसके अलावा, 24 और 27 मई के लिए लू की चेतावनी भी जारी की गई है। इसी वजह से जिलाधिकारी ने यह अपील की है। गर्मी के मौसम में जोधपुर में पानी की समस्या पर जिलाधिकारी ने कहा, भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की वजह से जलापूर्ति बाधित हुई थी, लेकिन अब स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो रही है। जल्द ही जिले के हर भाग में पानी की सुचारू आपूर्ति हो जाएगी।

राजस्थान में गर्मी लगातार बढ़ रही है। इसके चलते पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर में जबरदस्त हीट वेव चल रही है। इस वक्त दिन में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। यहां तक कि चिलचिलाती धूप और गर्म हवाओं से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। इसी को लेकर जोधपुर जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल ने प्रेस वार्ता करते हुए जरूरी सुझाव दिए।

पाकिस्तान के पास अब ज्यादा दिन नहीं बचे : योगी आदित्यनाथ

नया भारत है और नया भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई छेड़ता है तो उसे छोड़ता भी नहीं हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को दावा किया कि पाकिस्तान 75 वर्ष से ज्यादा समय तक जी लिया और अब उसके पास ज्यादा दिन नहीं बचे हैं।

अयोध्या के हनुमानगढ़ी में हनुमान कथा मंडपम का उद्घाटन करने के बाद एक समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आतंकवाद एक दिन पाकिस्तान को नष्ट कर देगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान पर हमला नहीं किया, बल्कि पाकिस्तान ने पहले हमारे निर्दोष लोगों पर हमला किया और धर्म पूछकर उन्हें गोली मारी।

भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई का जिक्र करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, ''भारत के बहादुर सैनिकों की सैन्य कार्रवाई में 124 आतंकवादी मारे गए। इसलिए इसमें भारत का दोष नहीं है, बल्कि पाकिस्तान के उन लोगों का है जो वहां मौजूद थे और आतंकवादियों को प्रश्रय दे रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''वे आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। मैं विश्वास के साथ कहता हूं कि आतंकवाद एक दिन पाकिस्तान को ले डूबेगा।'' आदित्यनाथ ने कहा, ''पाकिस्तान के अब ज्यादा दिन नहीं बचे हैं। वैसे भी हमारे एक पूज्य संत ने कहा था कि आध्यात्मिक जगत में पाकिस्तान का कोई अस्तित्व नहीं है। याद रखिए कि जिसका अपना वास्तविक अस्तित्व न हो, उसका एक निश्चित जीवन होता है अब पाकिस्तान का समय पूरा हो गया है।'' उन्होंने दावा किया, ''पाकिस्तान 75 साल से बहुत लंबा समय जी चुका है और अब उसका समय आ गया है। पाकिस्तान को उसके कर्मों की सजा मिल रही है। आज भारत के वीर जवान जिस मजबूती के साथ पाकिस्तान को जवाब दे रहे हैं, हर भारतीय को सेना के जवानों पर गर्व होना चाहिए।'' उन्होंने यह भी कहा कि यह ''नया भारत है और नया भारत किसी को छेड़ता नहीं है, लेकिन अगर कोई छेड़ता है तो उसे छोड़ता भी नहीं है''।

योगी ने हनुमान जी का उदाहरण देते हुए कहा, ''बजरंगबली ने रावण के दरबार में यही संदेश दिया था। पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देकर खुद को बर्बाद कर रहा है।''

सशस्त्र बलों के पराक्रम को कम करके आंकना और

देश की सुरक्षा खतरे में डालना बंद करें राहुल : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को लोकसकभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर उनकी हालिया टिप्पणियों को लेकर निशाना साधा और कहा कि उन्हें अपने ''गैर-जिम्मेदाराना बयानों'' से भारतीय सशस्त्र बलों के पराक्रम को कम करके आंकना और देश की सुरक्षा को खतरे में डालना बंद करना चाहिए।

गांधी को 'निशान-ए-पाकिस्तान' करार देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आरोप लगाया कि भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर कांग्रेस नेता की टिप्पणियों का इस्तेमाल इस्लामाबाद द्वारा भारत को ''बदनाम करने'' के लिए किया जा रहा है। भाटिया ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''राहुल गांधी, आप तय करें कि आप किस तरफ हैं। आपको तय करना होगा कि आप भारत के विपक्ष के नेता हैं या पाकिस्तान के निशान-ए-पाकिस्तान हैं।'' राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भारत के सम्मान से समझौता करने का आरोप लगाया था।

चंद्रशेखर के समय के 'समझौते' को लेकर

दुबे ने कांग्रेस पर निशाना साधा, विपक्षी दल ने किया पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद निशिकांत दुबे ने चंद्रशेखर के प्रधानमंत्री रहने के दौरान ''पाकिस्तान के साथ हुए एक समझौते'' को लेकर शुक्रवार को कांग्रेस पर निशाना साधा और सवाल किया कि क्या यह देशद्रोह नहीं है।

कांग्रेस ने उन पर पलटवार करते हुए कहा कि दुबे ने जिस समय के समझौते की बात की है, उससे पहले ही उसने (कांग्रेस) चंद्रशेखर सरकार से समर्थन वापस ले लिया था। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने तंज कसते हुए कहा कि दुबे को इस बारे में आगे की कहानी चंद्रशेखर के पुत्र और भाजपा सांसद नीरज शेखर से पूछनी चाहिए।

दुबे ने अपने 'एक्स' हैंडल पर भारत पाकिस्तान के बीच ''समझौते'' की एक प्रति साझा की और दावा किया कि 1991 में कांग्रेस के समर्थन वाली चंद्रशेखर सरकार ने इस समझौते के माध्यम से तय किया था कि सशस्त्र बलों के ''मूवमेंट'' और किसी आक्रमण की जानकारी का आदान प्रदान किया जाएगा।

भाजपा सांसद ने जिस ''समझौते'' का उल्लेख किया उस पर छह अप्रैल, 1991 की तारीख अंकित है।

दुबे ने कहा, ''राहुल गांधी जी, यह आपकी पार्टी की मदद से बनाई हुई सरकार के समय का समझौता है। 1991 में आपकी पार्टी समर्थित सरकार ने यह समझौता किया कि किसी भी आक्रमण या सेना के मूवमेंट की जानकारी का आदान प्रदान भारत व पाकिस्तान एक दूसरे से करेंगे। क्या यह समझौता देशद्रोह है? कांग्रेस का हाथ पाकिस्तानी वोट बैंक के साथ। विदेश मंत्री एस जयशंकर जी पर आपत्तिजनक टिप्पणी क्या आपको शोभा देती है?'' इसको लेकर पलटवार करते हुए खेड़ा ने 'पोस्ट' किया, ''इस व्यक्ति की जानकारी दुरुस्त कर दें कि कांग्रेस पार्टी ने चंद्रशेखर सरकार से समर्थन फरवरी, 1991 में ही वापस ले लिया था।

केंद्र सरकार जवाब दे कि संघर्षविराम क्यों हुआ : सपा विधायक

संभल (उप्र)/भाषा। संभल से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक इकबाल महमूद ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार यह जवाब दे कि संघर्षविराम क्यों हुआ?

सपा विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री इकबाल महमूद ने बृहस्पतिवार शाम पत्रकारों से बातचीत में यह बात कही। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 नागरिकों की हत्या के बाद भारतीय सेना की कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, '''हमारी सेना ने अपनी वीरता दिखाते हुए पाकिस्तान के अंदर तक मार किया और उस समय यह लग रहा था कि आज या कल में कश्मीर जो हमारा है वह हमें मिलने जा रहा है और पाकिस्तान कई टुकड़ों में विभाजित होने जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''फिर क्या कारण था कि बगैर किसी सूचना के एकदम से यह संघर्षविराम हो गया? पाकिस्तान की तरफ से पेशकश आई और आपने फौरन मान ली, जबकि डोनाल्ड ट्रंप ने यह कहा कि उन्होंने संघर्षविराम कराया है।'' महसूद ने कहा, ''हमारी सरकार ने कहा कि उनका (ट्रंप) कोई हस्तक्षेप नहीं है तो फिर वह बताते क्यों नहीं, किसकी वजह से और क्यों यह संघर्षविराम हुआ, देश की जनता सवाल पूछती है।'' सपा विधायक ने कहा, ''आज देश के अंदर भाजपा यात्रा निकाल रही है, क्या यह चुनाव का मुद्दा है? प्रधानमंत्री जी चुनाव की तैयारी कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''पहलगाम घटना को एक महीना हो गया और यह सवाल अब भी बाकी है कि जिन लोगों ने वहां पर हत्याएं की थीं उनमें से दो या तीन लोग गिरफ्तार या मारे गए हैं तो बाकी कहां है?''

रेल मंत्री वैष्णव ने जमालपुर रेलवे कार्यशाला का निरीक्षण किया

नई परियोजना का किया शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमालपुर/भाषा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को बिहार के मुंगेर जिले स्थित जमालपुर रेलवे कार्यशाला में 'वैगन पीरियोडिक ओवरहालिंग' (पीओएच) क्षमता बढ़ाने की परियोजना की आधारशिला रखी और कर्मचारियों से संवाद किया।

वैष्णव के साथ केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह 'ललन', बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

रेल मंत्रालय ने शुक्रवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, केंद्रीय रेल मंत्री ने बिहार के जमालपुर रेल इंजन कारखाने में वैगन पीओएच क्षमता बढ़ाने की परियोजना की आधारशिला रखी। उन्होंने जमालपुर रेलवे कार्यशाला का भी निरीक्षण किया और कर्मचारियों से बातचीत की।

वैष्णव ने भारतीय रेलवे यांत्रिक एवं विद्युत इंजीनियरिंग संस्थान (आईआरआईएमईई) का भी दौरा किया और सभा को संबोधित किया।

जमालपुर स्थित आईआरआईएमईई भारतीय रेलवे के छह केंद्रीकृत प्रशिक्षण संस्थानों में से एक है, जो रेलवे अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए है।

वैष्णव ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रेलवे में उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास के साथ ही वंदे भारत और नमो भारत जैसी नई ट्रेनें चलाने में आत्मनिर्भरता आ रही है।

अदाणी समूह पूर्वोत्तर में एक लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा : गौतम अदाणी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति गौतम अदाणी ने हरित ऊर्जा, सड़क निर्माण एवं पूर्वोत्तर राज्यों में डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए अगले 10 वर्ष में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की शुक्रवार को प्रतिबद्धता जतायी और कहा कि उनका समूह पूर्वोत्तर में अपनी उपस्थिति का विस्तार करना चाहता है।

इससे पहले समूह ने असम में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की फरवरी में घोषणा की थी। इसके साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों में समूह ने अभी तक एक लाख करोड़ रुपए के निवेश की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। अदाणी समूह के प्रमुख ने 'राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट' में कहा कि उनके समूह की पहल स्थानीय नौकरियों, स्थानीय उद्यमशीलता तथा सामुदायिक जुड़ाव को प्राथमिकता देगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में अदाणी ने कहा, '' तीन महीने पहले, असम में हमने 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करने का वादा किया था। आज एक बार फिर, आपके नेतृत्व से प्रेरित होकर मैं घोषणा करता हूं कि अदाणी समूह अगले 10 वर्ष में पूर्वोत्तर में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा।'' यह निवेश स्मार्ट-मीटर, हाइड्रो पंप स्टोरेज, विद्युत पारेषण, सड़क एवं राजमार्ग, डिजिटल बुनियादी ढांचा, लॉजिस्टिक्स के साथ ही 'स्किलिंग एवं वोकेशनल ट्रेनिंग सेंटर' के माध्यम से क्षमता-निर्माण सहित हरित ऊर्जा का विस्तार करेगा। उन्होंने कहा, '' हालांकि बुनियादी ढांचे से अधिक, हम लोगों में निवेश करेंगे। प्रत्येक पहल स्थानीय नौकरियों, स्थानीय उद्यमिता और सामुदायिक जुड़ाव को प्राथमिकता देगी। विकसित भारत 2047 इसी के बारे में है। '' अदाणी ने कहा कि पिछले एक दशक में पूर्वोत्तर की पहाड़ियों और घाटियों में, भारत की विकास गाथा का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। उन्होंने कहा, '' ऐसी कहानी जो विविधता, लचीलापन और अप्रयुक्त क्षमता में निहित है। यह क्षेत्र अब हमारे सांस्कृतिक गौरव, आर्थिक वादों व रणनीतिक दिशा का एक स्रोत है।''

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी और श्रीरामलला के दरबार में पहुंचकर दर्शन-पूजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अयोध्या के अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान हनुमानगढ़ी और श्री रामलला के दरबार पहुंचे तथा दर्शन-पूजन किया।

अयोध्या पहुंचने पर योगी का रामकथा पार्क स्थित हेलीपैड पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों व भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं ने स्वागत किया। वहां से मुख्यमंत्री सीधे हनुमानगढ़ी पहुंचे जहां उन्होंने हनुमानजी की आरती की और दर्शन-पूजन किया। इसके बाद 'श्री हनुमत कथा मण्डपम' के लोकार्पण समारोह में पहुंचे। वहां से वह श्रीरामलला के दर्शन-पूजन के लिए राम मंदिर पहुंचे और भगवान श्रीराम से देश तथा प्रदेशवासियों के कल्याण व सुख-समृद्धि की कामना की। राम मंदिर में दर्शन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिसर में ही न्यास के सदस्यों के साथ एक संक्षिप्त बैठक की और मंदिर के निर्माण कार्य की प्रगति तथा परकोटा निर्माण की जानकारी ली। मंदिर में स्थापित किये जा रहे देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी के बारे में भी जानकारी की। योगी ने राम मंदिर में जारी निर्माण कार्य को जल्दी पूरा करने के लिए भी कहा है। इसके लिए उन्होंने राज्य सरकार का पूरा सहयोग दिलाने का आश्वासन दिया है।

रिलायंस पूर्वोत्तर राज्यों में 75,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी: मुकेश अंबानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि उनका समूह पूर्वोत्तर राज्यों में 350 बायोगैस संयंत्र की स्थापना, अपनी दूरसंचार सेवाओं, खुदरा कारोबार एवं स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार पर 75,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगा।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक ने यहां 'राइजिंग नॉर्थईस्ट इन्वेस्टर्स समिट' में कहा कि उनका समूह क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले घरेलू उपभोग के उत्पादों के लिए कारखानों में निवेश करेगा और मणिपुर में 150 बिस्तर वाला कैंसर अस्पताल स्थापित करेगा। उन्होंने कहा, '' रिलायंस ने पिछले 40 वर्ष में इस क्षेत्र में करीब 30,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है। हम 75,000 करोड़ रुपए के लक्ष्य के साथ अगले पांच वर्ष में निवेश को दोगुना कर देंगे।'' अद्योगपति ने कहा कि इससे 25 लाख से अधिक प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे। समूह पूर्वोत्तर की 4.5 करोड़ आबादी में से अधिकतर के जीवन को बेहतर बनाने की आकांक्षा रखता है। अंबानी ने कहा कि वह अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों के साथ छह प्रतिबद्धताएं कर रहे हैं। समूह की दूरसंचार इकाई जियो ने पहले ही 50 लाख से अधिक 5जी ग्राहकों के साथ 90 प्रतिशत आबादी को सेवाएं दी हैं।

ओडिशा सरकार जरुरतमंद आदिवासियों, दलितों से जमीन खरीदेगी

जल्द ही ओडिशा राज्य सरकार गरीब परिवारों की बेटियों की शादी के लिए 'मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना' शुरू करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री सुरेश पुजारी ने कहा कि ओडिशा सरकार अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लोगों की जमीन को गैर-आदिवासियों और गैर-दलितों द्वारा हड़पे जाने से रोकने के लिए जरूरतमंद लोगों से सीधे भूमि खरीद की योजना बना रही है और इसके लिए एक विशिष्ट कोष बनाया जाएगा।

पुजारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि अभी तक ऐसी कोई नीति नहीं है। उन्होंने कहा कि यह पहल अभी योजना के स्तर पर है और इसे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों सहित सभी हितधारकों से उचित परामर्श के बाद ही लागू किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि हालांकि गैर-आदिवासी या गैर-दलितों द्वारा आदिवासियों और अनुसूचित जातियों से जमीन खरीदने पर प्रतिबंध है, लेकिन यह देखा गया है कि वे अलग-अलग तरीकों से जमीन हासिल कर लेते हैं।

इसरो कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 20%: वी नारायणन

कोलकाता/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने कहा है कि इसरो के कार्यबल में महिलाओं की हिस्सेदारी करीब 20 प्रतिशत है और वे शानदार काम कर रही हैं।

नारायणन ने कहा कि भविष्य में इसरो में महिला कर्मचारियों की संख्या 40 प्रतिशत से अधिक हो जानी चाहिए।

इसरो अध्यक्ष ने बृहस्पतिवार को यहां एक निजी स्कूल की ओर से आयोजित समारोह से इतर संवाददाताओं से कहा, ''भारत जैसा देश, जहां महिलाओं की आबादी लगभग 50 प्रतिशत है, तब तक प्रगति नहीं कर सकता, जब तक महिलाएं महत्वपूर्ण योगदान नहीं देतीं।''

रोहित और विराट के बिना कठिन होगा लेकिन दूसरों के लिये यह मौका : गौतम गंभीर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

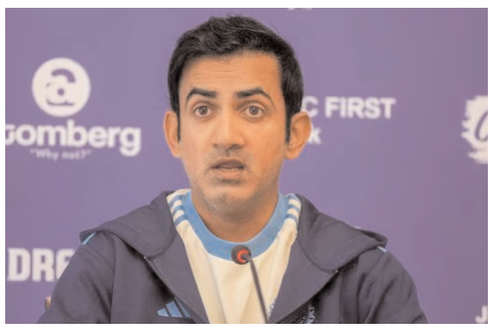

नई दिल्ली/भाषा। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने स्वीकार किया कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की गैर मौजूदगी टीम के लिये बड़ी चुनौती होगी लेकिन कहा कि टेस्ट क्रिकेट से उनके संन्यास ने दूसरे खिलाड़ियों के लिये आगे बढकर जिम्मेदारी लेने का मौका बनाया है ।

रोहित और विराट ने एक सप्ताह के भीतर टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया । दोनों ने अगले महीने पांच टेस्ट के इंग्लैंड दौरे से पहले यह घोषणा की । गंभीर ने सीएनएन न्यूज 18 से कहा ,'' मेरा मानना है कि आप कब खेलना शुरू करते हैं और कब खत्म करना चाहते हैं, यह व्यक्तिगत फैसला है । किसी और को हक नहीं है । कोच हो, चयनकर्ता या देश में कोई और , क्या किसी को किसी को भी यह बताने का अधिकार है कि उसे कब संन्यास लेना है और कब नहीं । यह खुद का फैसला होता है ।'' दोनों के जाने के बाद भारत को नये टेस्ट कप्तान की जरूरत भी होगी और गंभीर ने स्वीकार किया कि इन दोनों की जगह लेना आसान नहीं होगा । उन्होंने कहा ,'' हम अपने दो सबसे सीनियर अनुभवी खिलाड़ियों के बिना जायेंगे । कई बार मुझे लगता है कि यह दूसरे खिलाड़ियों के पास अपनी उपयोगिता साबित करने का मौका भी है ।'' गंभीर ने चैम्पियंस ट्रॉफी में भारत की जीत से इसकी तुलना की जो जसप्रीत बुमराह की गैर मौजूदगी में मिली थी । उन्होंने कहा ,'' यह कठिन होगा लेकिन ऐसे खिलाड़ी होंगे जो जिम्मेदारी लेने को तैयार होंगे । यह सवाल मुझे चैम्पियंस ट्रॉफी से पहले भी पूछा गया था ।'' गंभीर ने कहा ,'' जब जसप्रीत बुमराह नहीं था तब भी मैने यही बात कही थी । किसी के नहीं होने से दूसरे खिलाड़ी को कुछ खास करने का मौका मिलता है । उम्मीद है कि ऐसे खिलाड़ी होंगे जो इस मौके का इंतजार कर रहे होंगे ।''

विराट और रोहित एक दिवसीय क्रिकेट खेलते रहेंगे । यह पूछने पर कि क्या दोनों 2027 वनडे विश्व कप की टीम में होंगे, गंभीर ने कहा ,'' अभी उसमें काफी समय है । उससे पहले टी20 विश्व कप होना है । यह बड़ा टूर्नामेंट है जो फरवरी मार्च में भारत में होगा । अभी पूरा फोकस उसी पर है ।''

ऐसा समय आया जब हमारे पास प्लेआफ में जाने के मौके थे : ऋषभ पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। लखनऊ सुपर जाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत ने स्वीकार किया कि उनकी टीम ने आईपीएल 2025 में कई मौकों पर अच्छा प्रदर्शन तो किया लेकिन मौके भुना नहीं सकी जिससे प्लेआफ की दौड़ से बाहर होना पड़ा। लखनऊ को प्रदर्शन में निरंतरता का खामियाजा भुगतना पड़ा और कई करीबी मुकाबलों में उसे पराजय भी मिली ।

पंत ने गुजरात टाइटंस पर 33 रन से जीत के बाद कहा ,'' हम अच्छा क्रिकेट खेलने की बात करते हैं और हमने कई मौकों पर खेला भी । टूर्नामेंट में ऐसा भी समय आया जब हमारे पास प्लेआफ में पहुंचने का मौका था लेकिन हम पहुंच नहीं सके । लेकिन यह खेल का हिस्सा है ।'' उन्होंने दोहराया कि प्रमुख गेंदबाजों की चोट से उनका आक्रमण कमजोर हुआ । लखनऊ ने सत्र में अपने अभियान का आगाज मोहसिन खान, आवेश खान, आकाश दीप और मयंक यादव के बिना किया । शार्दुल ठाकुर को सत्र के बीच में शामिल किया गया जबकि आवेश और आकाश ने वापसी की । मयंक दो मैच खेलने के बाद बाहर हो गए । पंत ने कहा ,'' टूर्नामेंट की शुरूआत में कई फिटनेस समस्यायें थी । हमने तय किया था कि इस पर बात नहीं करेंगे । फील्डिंग में हमे कमी खली । हम बहाने नहीं बना सकते । बस गलतियों से सीखकर आगे बढना है ।''

सुविचार

किसी दिन, जब आपके सामने कोई समस्या ना आए आप सुनिश्चित हो सकते हैं कि आप गलत रास्ते पर चल रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साइबर ठगी का फैलता जाल

आंध्र प्रदेश पुलिस ने अनकापल्ली जिले के अच्युतापुरम इलाके में अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी के गिरोह का पर्दाफाश कर उन अपराधियों को कड़ा संदेश दिया है, जो तकनीक की मदद से लोगों के बैंक खाते खाली कर रहे हैं। पुलिस द्वारा की गई लगभग तीन दर्जन आरोपियों की गिरफ्तारी निश्चित रूप से बड़ी सफलता है। अक्सर साइबर ठग अलग-अलग जगहों से गिरोह का संचालन करते हैं, जिससे पुलिस का उन तक पहुंचना मुश्किल होता है। इस बार बड़ा समूह ही उसके हत्थे चढ़ गया। यहां फर्जी कॉल सेंटर बनाकर अमेरिका के लोगों को निशाना बनाया जा रहा था। यह कृत्य गंभीर अपराध तो है ही, इसने देश की प्रतिष्ठा पर भी नकारात्मक असर डाला है। सोशल मीडिया पर ऐसे कई वीडियो और पोस्ट मौजूद हैं, जिनमें अमेरिकी नागरिक इस बात पर चर्चा करते मिलेंगे कि उन्हें 'भारतीय साइबर ठग' ने निशाना बनाया था। उन अमेरिकी नागरिकों में से कई लोग तो बुजुर्ग थे, जिन्हें तकनीक की ज्यादा जानकारी नहीं थी। वे ठगों के झांसे में आ गए और जीवनभर की पूंजी गंवा बैठे। उन वीडियो में भारतीयों के उच्चारण का जिक्र कर नसीहत दी गई है कि 'अगर फोन पर कोई व्यक्ति इस अंदाज में बात करे तो तुरंत सावधान हो जाएं, क्योंकि वह एक साइबर ठग हो सकता है।' एक ओर तो भारतीय मूल के लोग अमेरिका की बड़ी-बड़ी कंपनियों के सीईओ बन रहे हैं, वे शीर्ष पदों पर कार्यरत हैं; दूसरी ओर कुछ लोग साइबर ठगी के जरिए देश की छवि को नुकसान पहुंचा रहे हैं। ये अपराधी किसी सूरत में नरमी के हकदार नहीं हैं।

आज भारतीय तकनीक की दुनियाभर में सराहना हो रही है। विभिन्न अंतरिक्ष मिशन हों या डिजिटल पेमेंट के हर साल बनने वाले नए रिकॉर्ड हों, भारत की शक्ति एवं सामर्थ्य का डंका बज रहा है। 'ऑपरेशन सिंदूर' में तो हमारे एयर डिफेंस सिस्टम, मिसाइलों और ड्रोन्स ने कमाल ही कर दिया। दुनियाभर के मीडिया में इनकी चर्चा हो रही है। दूसरी ओर, साइबर ठगी में लिप्त लोग इस विश्वास को चोट पहुंचा रहे हैं। ऐसे मामलों में जब किसी अमेरिकी नागरिक को आर्थिक नुकसान होता है तो वह आवेश में आकर सभी भारतीयों के लिए नकारात्मक धारणा बना सकता है। सोशल मीडिया के दौर में लोग अपने अनुभव ऑनलाइन साझा करते हैं, जिससे सूचनाएं तेजी से फैलती हैं। पूर्व में अमेरिका के कई हैकर्स ने ऐसे साइबर ठगों से फोन पर बात करते हुए उनके कंप्यूटरों के कैमरे हैक कर लिए थे। उन्होंने ठगों के चेहरों के साथ उन वीडियो को सोशल मीडिया पर पोस्ट किया और उनकी गतिविधियों को भारत के साथ जोड़कर देखा था। भारतीय नागरिक तो खुद इन ठगों से परेशान हैं, लिहाजा इन्हें भारत के साथ जोड़ना बिल्कुल गलत है। हाल में 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर साइबर ठगों ने बहुत लोगों को चूना लगाया था, जिनके पीड़ितों में उच्च शिक्षित लोग भी थे। आज साइबर ठगी एक अंतरराष्ट्रीय समस्या बन चुकी है। 'मोटी कमाई, आसान पैसा, जल्द अमीर बनने का लालच' ये ऐसे बिंदु हैं, जिनके आधार पर साइबर ठगी के गिरोह अपना जाल फैलाते हैं और युवाओं को आकर्षित करते हैं। कई देशों में इनका प्रसार हो चुका है। इन्हें हतोत्साहित करने के लिए स्थानीय कानूनों को सख्त करने के साथ ही पुलिस एवं जांच एजेंसियों को अधिक सक्षम बनाना होगा। इसके अलावा डिजिटल भुगतान प्रणाली में सुधार करने होंगे, ताकि साइबर ठग शुरुआती चरण में अपने मंसूबों में कामयाब हो भी जाए तो ठगी की रकम उस तक न पहुंच पाए और उसे वापस ग्राहक के खाते में जमा करा दिया जाए। उन्नत तकनीक और जागरूकता से ही बचाव संभव है।

ट्वीटर टॉक

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठक श्री वी.सतीश जी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं! प्रभु श्रीराम की कृपा आप पर सदैव बनी रहे, आप स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों, आपके सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूँ।

-भजनलाल शर्मा

जयपुर राजघराने की राजमाता, महान समाज सेविका महारानी गायत्री देवी जी की जयंती पर सादर नमन। नारी सशक्तिकरण की प्रबल पक्षधर रही महारानी गायत्री देवी जी ने भारतीय राजनीति तथा समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

-अर्जुनराम मेघवाल

कोर्ट में 'अवमानना' याचिका दायर किए जाने के बाद अंततः आपराधिक मामले में दोषी ठहराए गए विधायक कंवरलाल की विधानसभा सदस्यता रद्द करनी पड़ी। भारत के कानून के अनुसार जब किसी जनप्रतिनिधि को दो वर्ष या उससे अधिक की सजा होती है।

-टीकाराम जूली

प्रेरक प्रसंग

पढ़ाई और समझ

एक राजा ने अपने पुत्र को ज्योतिष विद्या सिखाने के लिए एक प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य के पास भेजा। संयोग से उसी आचार्य के पास उनका अपना पुत्र भी शिक्षा प्राप्त कर रहा था। कई सालों बाद, जब शिक्षा पूरी हो गई, तो ज्योतिषाचार्य स्वयं दरबार में आए और राजा से बोले, 'महाराज, राजकुमार की शिक्षा अब पूर्ण हो चुकी है।' राजा ने यह सुनकर सोचा कि क्यों न अपने पुत्र की परीक्षा ली जाए। राजा ने अपनी मुट्ठी में चांदी की एक अंगूठी छिपा ली और दरबार में राजकुमार को बुलाकर पूछा, 'बताओ, मेरी मुट्ठी में क्या है?' राजकुमार ने ध्यानपूर्वक देखकर उत्तर दिया, 'कोई गोल-गोल सी, सफेद, कठोर चीज़ है, जिसके बीच में एक छेद है।' राजा ने कहा, 'अब बताओ, वह वस्तु क्या है?' राजकुमार ने थोड़ी देर सोचकर कहा, 'यह चक्की का पाट है।' राजा को यह उत्तर सुनकर आश्चर्य हुआ, परंतु उसने वही प्रश्न ज्योतिषाचार्य के पुत्र से किया। आचार्य के पुत्र ने तुरंत और सटीक उत्तर दिया, 'महाराज, यह चांदी की अंगूठी है।' यह देखकर राजा को लगा कि ज्योतिषाचार्य ने अपने पुत्र को तो अच्छा ज्ञान दिया, लेकिन राजकुमार को अधूरी शिक्षा दी है। उसने आचार्य से इस विषय में प्रश्न किया।

सामयिक

किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति गंभीर चुनौती

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। कैथल जनपद के गांव धनौरी में दो किशोरों की निर्मम एवं क्रूर हत्या की हृदयविदारक घटना न केवल उद्वेलित एवं भयभीत करने वाली है बल्कि चिन्ताजनक है। चौदह-पंद्रह साल के दो किशोरों की गला रेतकर हत्या कर देना और वह भी उनके हमउम्र साथियों द्वारा, हर संवेदनशील इंसान को हिला देने वाली डरावनी एवं खौफनाक घटना है, जो किशोरों में पनप रहे हिंसक बर्ताव एवं हिंसक मानसिकता का घिनौना एवं घातक रूप है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। जाहिर है दसवीं-ग्यारहवीं के छात्रों की क्रूर हत्या हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता को भी दर्शाती है। ऐसी कई अन्य घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है।

जैसाकि घटना से संबंधित तथ्यों में बताया गया कि हत्या में शामिल युवक धनौरी गांव के ही थे और कुछ दिन पहले किशोरों को धमकाने उनके घर आए थे। मारे गए किशोरों पर हत्या आरोपियों ने आरोप लगाया था कि वे उनकी बहनों से छेड़खानी करते थे। निश्चय ही ऐसे छेड़खानी के कथित आरोप को नैतिक दृष्टि से अनुचित ही कहा जाएगा, लेकिन उसका बदला हत्या कदापि नहीं हो सकती। यह दुखद है कि एक मृतक किशोर अरमान पांच बहनों का अकेला भाई था। घटना से उपजी त्रासदी से अरमान के परिवार पर हुए वज्रपात को सहज महसूस किया जा सकता है। उनके लिये जीवनभर न भुलाया जा सकने वाला दुख एवं संत्रास पैदा हुआ है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है? पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर सिनेमा तक उसकी सोच-समझ को प्रभावित करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मनःस्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

बहरहाल, इस हृदयविदारक एवं त्रासद घटना ने नयी बन रही समाज एवं परिवार व्यवस्था पर अनेक सवाल खड़े किये हैं। सवाल नये बन रहे समाज की नैतिकता एवं चरित्र से भी जुड़े हैं। निश्चित ही किसी परिवार की उम्मीदों का यूं कत्ल होना मर्मांतक एवं खौफनाक ही है। लेकिन सवाल ये है कि चौदह-पंद्रह साल के किशोरों पर यूं किन्हीं लड़कियों को छेड़ने के आरोप क्यों लग रहे हैं? पढ़ने-लिखने की उम्र में ये सोच कहां से आ रही है? क्यों हमारे अभिभावक बच्चों को ऐसे संस्कार नहीं दे पा रहे हैं ताकि वे किसी की बेटी व बहन को यूं परेशान न करें? क्यों लड़कियों से छेड़छाड़ की अश्लील एवं कामुक घटनाएं बढ़ रही है। क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था में नैतिक शिक्षा का वह पक्ष उपेक्षित हो चला है, जो उन्हें ऐसा करने से रोकता है? क्या शिक्षक छात्रों को सदाचारी व नैतिक मूल्यों का जीवन जीने की प्रेरणा देने में विफल हो रहे हैं? हत्या की घटना हत्यारों की मानसिकता पर भी सवाल उठाती है कि उन्होंने क्यों सोच लिया कि छेड़खानी का बदला हिंसा एवं क्रूरता से गला काटना हो सकता है? धनौरी की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। दरअसल, दशकों तक बॉलीवुड की हिंदी फिल्मों ने समाज एवं विशेषतः किशोर पीढ़ी में जिस अपसंस्कृति का प्रसार किया, आज हमारा समाज उसकी त्रासदी झेल रहा है। इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है।

अब तक हिन्दी सिनेमा से समाज के किशोरवय और युवाओं में गलत संदेश गया कि निजी जीवन में छेड़खानी ही प्रेम कहानी में तब्दील हो सकती है। हमारे टीवी धारावाहिकों की संवेदनहीनता ने गुमराह किया है। बॉक्स आफिस की सफलता और टीआरपी के खेल ने मनोरंजक कार्यक्रमों में ऐसी नकारात्मकता एवं हिंसक प्रवृत्ति भर दी कि किशोरों में हिंसक एवं अराजक सोच पैदा हुई। इंटरनेट के विस्तार और सोशल मीडिया के प्रसार से स्वच्छंद यौन व्यवहार का ऐसा अराजक एवं अनियंत्रित रूप सामने आया कि जिसने किशोरों व युवकों को पथभ्रष्ट एवं दिग्भ्रमित करना शुरू कर दिया। आज संकट ये है कि हर किशोर के हाथ में आया मोबाइल उसे समय से पहले वयस्क बना रहा है। जिस पर न परिवार का नियंत्रण है और न ही शिक्षकों का। मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वच्छन्द हो जाते हैं। अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा।

आज किशोरों एवं युवाओं को प्रभावित करने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म व नये-नये एप पश्चिमी अपसंस्कृति से संचालित हैं। इन पर अश्लीलता और यौन-विकृतियों वाले कार्यक्रमों का बोलबाला है। ऐसे कार्यक्रमों की बाढ़ हैं जिनमें हमारे पारिवारिक व सामाजिक रिश्तों में स्वच्छंद यौन व्यवहार को हकीकत बनाने का खेल चल रहा है। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं एवं यौनाचार ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं, वे आत्मघाती-हिंसक बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं।

किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निर्माताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

नजरिया

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत शक्तिशाली देशों में शुमार

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009415415

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के जवाबी हमले से पाकिस्तान के 9 एयरबेस की तबाही और लगभग 100 दुर्दांत आतंकवादी मारे जाने के बाद भारत की छवि विश्व में एक दमदार शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभरी है। अब भारत से कई देश से अस्त्र-शस्त्र की खरीदी के लिए कतार में खड़े होते दिखाई दिए हैं। भारत ने जिस तरह ब्रह्मोस मिसाइल और एस400 से चीनी तथा टर्किए के 500 से ज्यादा ड्रोन तथा मिसाइल को हवा में ही ध्वस्त किया है वह अपने आप में एक वैश्विक मिसाल है। इसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप मध्यस्तता का श्रेय लेने की कोशिश में लगे हुए थे किंतु भारत के कठोर रुख के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपना बयान बदलकर यू-टर्न लेना पड़ा जिससे भारत की छवि और बेहतर हो गई है।

भारत ने कूटनीतिक पहल कर पाकिस्तान की आतंकवादी छवि को स्पष्ट करने के लिए लगभग 60 सांसदों को विभिन्न देशों में भेज कर पारदर्शिता का एक अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया है। भारत विश्व में अब एक बड़ी राजनीतिक, आर्थिक तथा सामरिक शक्ति बन कर उभरा है। भारत में वर्तमान में अपनी वैश्विक छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दुगुना किया है। विदेशों में भारत की स्थिति में निरंतर सुधार हुआ है। भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर बनाने के लिए कूटनीति आर्थिक व्यापारिक समझौते तथा पाकिस्तान को युद्ध में बुरी तरह परास्त करने के बाद एक बड़ी सामरिक शक्ति बनकर उभरने के अलावा इस समय बहुत बड़ा योगदान भारत के हर क्षेत्र के डिजिटलाइजेशन का भी ज्यादा रहा है। भारत में डिजिटलाइजेशन के नए आयामों को छुआ है और विश्व में इस क्षेत्र में अग्रणी भूमिका भी निभा रहा है। इसमें दो मत नहीं कि वर्तमान के प्रधानमंत्री का बड़ा योगदान और ऊर्जावान,दमदार वैश्विक नेता के रूप में भूमिका रही है। पिछले 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विदेश नीति में खुलापन तथा विदेशी निवेशकों को भारत में आमंत्रित किया है उससे इसमें बड़े परिवर्तन की संभावनाओं इजाफा किया है।

भारत विश्व का एकमात्र सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। कई वर्षों से ब्रिटिश उपनिवेश में रहने और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी जैसे बड़े रुकावटी कारकों का से जिस तरह डटकर मुकाबला कर उस से निजात पाने का प्रयास किया है वह अत्यंत उल्लेखनीय है। कोरोना काल में भारत ने अभूतपूर्व तरीके से स्वदेशी दवाइयां का एवं अन्य उपकरणों का निर्माण कर करके एक रिकॉर्ड भी बनाया है और इस पहल के परिणाम स्वरूप भारत में करोन पर प्रभावी नियंत्रण पानी में सफलता पाई थी। इसके अलावा भारत में ऐसे संक्रमण काल में स्वदेशी निर्मित मेडिकल इंजेक्शन दवाईयां तथा उपकरणों को भी विदेशी देशों को मदद पहुंचाई थी। स्वतंत्रता मिलने के पश्चात भारत में नियोजन की नीति अपनाई तथा वर्ष 1951 में प्रारंभ पंचवर्षीय योजनाओं के अंतर्गत सभी चुनौतियों का सामना करते हुए सराहनीय प्रगति की है। वर्ष 1951 से लेकर अब तक 12 पंचवर्षीय योजनाएं क्रियान्वित की जा चुकी है। वर्ष 2015 में राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान की स्थापना की गई जो भारत को वैश्विक स्तर पर महाशक्ति बनाने की दिशा में सहयोग कर रहा है। वैश्विक स्तर पर भारत की खेती 1990 के पश्चात निरंतर बढ़ रही है इस दिशा में 1990 के दशक में भारत सरकार द्वारा अपनाई जाने वाली उदारीकरण निजीकरण तथा वैश्वीकरण की नीति का महत्वपूर्ण योगदान भी माना जा रहा है। उक्त समय में भारत की दशा अत्यंत दयनीय थी इसके अतिरिक्त मुद्रास्फीति बेरोजगारी जैसी स्थित ने विकराल रूप धारण कर लिया था, किंतु विकास की नीति को अपनाने के पश्चात से भारत ने इन परिस्थितियों से निपटने के साथ ही आर्थिक विकास का मार्ग प्रशस्त किया भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या के उपयोग कर विश्व पटल में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई हैश्र भारत की विशाल जनसंख्या को आर्थिक सफलता के मजबूत स्तंभ कहा जा सकता है। भारत ने अपने प्राकृतिक संसाधनों एवं विशाल जनसंख्या का उपयोग कर उत्पादन को कई गुना बढ़ाया है। आज की स्थिति में भारत को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में देखा जा सकता है और इसे तथाकथित भावी विश्व शक्ति चीन का सबसे ताकतवर प्रतिनिधि तथा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का भावी सदस्य के रूप में भी देखा जा रहा है।

भारत में समय के अनुसार अपनी नीतियों तथा विकास के प्रति मानको में परिवर्तन कर निरंतर आर्थिक विकास की दर को प्राप्त करते हुए अधिकांश विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति की है। वास्तव में वर्तमान समय में भारत के ऐतिहासिक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जिससे विश्व के सभी देश किसी न किसी रूप से जुड़कर प्रभावित भी हुए हैं। 1974 उल्लेखनीय रहा है क्योंकि भारत ने पोखरण में पहला परमाणु परीक्षण किया गया इसका विरोध विश्व के तमाम विकसित देशों ने बहुत जोरदार ढंग से किया भारत को काफी मुश्किलों का सामना भी करना पड़ा था।

वर्ष 2008 में हमारे देश और अमेरिका रूस फ्रांस ब्रिटेन तथा चीन को छोड़कर पी5 के सभी सदस्य देशों के मध्य हुए असैन्य परमाणु समझौता से यह स्पष्ट हो गया था कि अब वैश्विक पटल पर भारत की अनदेखी नहीं की जा सकती है। वर्ष 2009 में भारत के प्रधानमंत्री का अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यालय में राजकीय अतिथि के रूप में भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री का स्वागत करके कहा कि भारत अब एक परमाणु शक्ति संपन्न देश बन चुका है। यह भारत के छठे परमाणु संपन्न राष्ट्र के तौर पर मिली औपचारिक मान्यता ही थी। भारत यात्रा पर आए बराक ओबामा ने कहा कि भारत अब उभरती हुई परमाणु शक्ति ही नहीं है, वह स्थापित परमाणु शक्ति बन चुका है।

भारत की जनसंख्या को देखते हुए भारत की क्रय शक्ति की क्षमता के मामले में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी दूरसंचार के क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभरा है। भारत अब विश्व में एक महत्वपूर्ण वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित होने की ओर अग्रसर है। भारत में कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में अत्यधिक ख्याति प्राप्त की है, जिससे अमेरिकी विश्लेषकों के मन में भय पैदा हो गया है। भारतीय औद्योगिक घराने अंतर्राष्ट्रीय कारोबारी कंपनियों को खरीद कर दुनिया के सबसे बड़े कारोबारी समूह बन गए हैं। भारतीय मूल के विदेशी उद्योगपतियों ने भारत के बाहर रहकर भी भारत की प्रसिद्धि में वृद्धि की है। इन उद्योगपतियों में इंदिरा नूई, अरुण सरीन, सबीर भाटिया, विनोद घोसला का नाम विशेष रूप से लिया जा सकता है। भारत मूल के ही सलमान रुश्दी लेखक, अमर्त्य सेन अर्थशास्त्री, झुंपा लहरी लेखिका, वेंकटरमन रामकृष्णन नोबेल पुरस्कार विजेता आदि भारतीय मूल के विदेशी नागरिक विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं।

वर्ष 2014 में केंद्र में बनी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने अपनी पूर्ववर्ती सरकारों की तरह भारत को एक नई ऊंचाई पर ले जाने की दिशा में कार्य किया है। जिसके अंतर्गत भारत के प्रधानमंत्री ने विश्व के प्रमुख देशों जैसे अमेरिका, आस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, जापान, चीन, फ्रांस और अफ्रीकी देशों के साथ संबंधों को द्विपक्षीय वार्ता तथा विभिन्न समझौता के माध्यम से मजबूती प्रदान की है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात की दृष्टि से दूसरे देशों देशों में निवेश करने के मामले में विश्व कीर्तिमान स्थापित किया है। भारत के आर्थिक विकास से इसके राजनीतिक प्रभाव में वृद्धि हुई है, इसीलिए अंतर्राष्ट्रीय मंच एवं वार्ताओं में भारत को नियमों में छूट देने की सुविधा प्राप्त हो गईश्र 2018 में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा विश्व आर्थिक मंच में चार दिवसीय बैठक का उद्घाटन किया जाना भारत की बढ़ती विश्व ख्याति को प्रतिबिंबित करता है। भारत इस दशक के अंत तक निसंदेह विकसित देशों के समूह में शामिल हो जाएगा और भारत की वैश्विक ख्याति में चारों तरफ वृद्धि होने की पूरी संभावना है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

हार्वर्ड ने विदेशी विद्यार्थियों के नामांकन पर प्रतिबंध को लेकर ट्रंप प्रशासन के खिलाफ मुकदमा किया

वाशिंगटन/एपी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन के उस निर्णय को चुनौती दी है जिसमें आइवी लीग स्कूल पर विदेशी छात्रों के नामांकन पर रोक लगाई गई है। विश्वविद्यालय ने इसे व्हाइट हाउस की राजनीतिक मांगों की अवहेलना करने के लिए असंवैधानिक प्रतिशोध बताया है। बोस्टन में संघीय अदालत में शुक्रवार को दायर मुकदमे में हार्वर्ड ने कहा कि सरकार की कार्रवाई प्रथम संशोधन का उल्लंघन करती है और इसका ''हार्वर्ड और 7,000 से अधिक वीजा धारकों पर तत्काल और विनाशकारी प्रभाव पड़ेगा।'' हार्वर्ड ने मुकदमे में कहा, ''सरकार ने एक कलम चलाकर हार्वर्ड के उस एक चौथाई छात्र-समूह को मिटाने की कोशिश की है, जो अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं और जो विश्वविद्यालय और इसके मिशन में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।'' स्कूल ने कहा कि वह गृह विभाग को यह कदम उठाने से रोकने के लिए एक अस्थायी निरोधक आदेश दायर करने की योजना बना रहा है। हार्वर्ड कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स में अपने परिसर में लगभग 6,800 विदेशी विद्यार्थियों को दाखिला देता है। इनमें से ज्यादातर स्नातक छात्र हैं और वे 100 से अधिक देशों से आते हैं।विभाग ने बृहस्पतिवार को कार्रवाई की घोषणा की, जिसमें हार्वर्ड पर ''अमेरिका विरोधी, आतंकवाद समर्थक आंदोलनकारियों को परिसर में यहूदी छात्रों पर हमला करने की अनुमति देकर एक असुरक्षित परिसर का माहौल बनाने का आरोप लगाया गया। इसने हार्वर्ड पर चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समन्वय करने का भी आरोप लगाया तथा दलील दी की कि स्कूल ने 2024 में एक चीनी अर्धसैनिक समूह के सदस्यों की मेजबानी की थी और उन्हें प्रशिक्षित किया था।

हार्वर्ड के अध्यक्ष एलन गार्बर ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि विश्वविद्यालय ने पिछले डेढ़ साल में अपने प्रशासन में बदलाव किए हैं, जिसमें यहूदी-विरोधी भावना से निपटने के लिए एक व्यापक रणनीति भी शामिल है। उन्होंने कहा कि हार्वर्ड बदले की कार्रवाई की आशंकाओं के कारण अपने ''मूल, कानूनी रूप से संरक्षित सिद्धांतों'' से पीछे नहीं हटेगा। हार्वर्ड ने कहा है कि वह चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समन्वय के बारे में हाउस रिपब्लिकन द्वारा पहली बार उठाए गए आरोपों पर बाद में जवाब देगा। यह मुकदमा विश्वविद्यालय द्वारा पहले दायर मुकदमे से अलग है जिसमें रिपब्लिकन प्रशासन द्वारा संघीय कटौती के तहत दो अरब डॉलर से अधिक की राशि को चुनौती दी गई थी।

जनरल मुनीर को खुद को फील्ड मार्शल की जगह 'राजा' की उपाधि देनी चाहिए थीः इमरान खान का तंज

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर पर तंज करते हुए कहा है कि उन्हें खुद को 'फील्ड मार्शल' के बजाय 'राजा' की उपाधि देनी चाहिए थी क्योंकि पाकिस्तान में इस वक्त जंगलराज है और जंगल में केवल एक ही राजा होता है।''

जनरल मुनीर को भारत के साथ हालिया संघर्ष में उनकी भूमिका के लिए मंगलवार को फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया। वह देश के इतिहास में इस पद पर पदोन्नत होने वाले दूसरे शीर्ष सैन्य अधिकारी बन गए हैं। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री खान ने बृहस्पतिवार को 'एक्स' पर लिखा, '' माशाअल्लाह, जनरल आसिम मुनीर को फील्ड मार्शल बनाया गया है। हालांकि ज्यादा अच्छा तो यह होता कि उन्हें 'राजा' की उपाधि दी जाती क्योंकि अभी देश में जंगलराज है और जंगल में केवल एक ही राजा होता है।''

अगस्त 2023 से कई मामलों में जेल में बंद खान ने यह भी कहा कि उनके साथ किसी समझौते की अफवाहें पूरी तरह से झूठी हैं। उन्होंने कहा, '' कोई डील नहीं हुई है और न ही कोई बातचीत हो रही है। ये निराधार बाते हैं।''

हालांकि, उन्होंने खुले तौर पर सैन्य अधिकारियों को आमंत्रित किया कि अगर वे वास्तव में पाकिस्तान के हितों और भविष्य की परवाह करते हैं तो उनके साथ बातचीत कर सकते हैं। खान ने कहा, '' देश बाहरी खतरों, आतंकवाद में वृद्धि और आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। हमें एकजुट होना चाहिए। मैंने पहले कभी अपने लिए कुछ नहीं मांगा और न ही अब मांगूंगा।'' खान ने शहबाज शरीफ सरकार को भारत के एक और हमले के बारे में भी आगाह किया और कहा कि उन्हें ऐसी किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को ऐसा स्थान बना दिया गया है जहां कानून केवल कमजोर लोगों पर लागू होता है शक्तिशाली लोगों पर नहीं।

खान ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में पाकिस्तान का नैतिक और संवैधानिक ढांचा पूरी तरह नष्ट हो गया है। उन्होंने कहा, '' तोशाखाना-2 मामले में हास्यास्पद सुनवाई फिर से शुरू की गई है। जेल की तरह ही अदालती कार्यवाही भी एक कर्नल की इच्छा से तय की जाती है। मेरी बहनों और वकीलों को अदालत में आने से रोका जा रहा है। मेरे साथियों को मुझसे मिलने की अनुमति नहीं है, मुझे महीनों से अपने बच्चों से मिलने नहीं दिया जा रहा है यहां तक कि मेरी किताबें भी नहीं पहुंचाई जा रही हैं और मुझे मेरे चिकित्सक से भी मिलने नहीं दिया जा रहा है। यह अदालती आदेशों और कानूनों का लगातार उल्लंघन है।''

खान ने कहा कि उन्हें खैबर पख्तूनख्वा के क्षेत्रों में ड्रोन हमलों के बारे में जानकारी मिली है और उन्होंने खैबर पख्तूनख्वा सरकार को संघीय सरकार के समक्ष आधिकारिक रूप से विरोध दर्ज कराने तथा इन ड्रोन हमलों को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, '' ड्रोन हमलों में निर्दोष नागरिकों की हत्या आतंकवाद को कम नहीं करती बल्कि इससे आतंकवाद को बढ़ावा ही मिलता है।

आईफोन अमेरिका में नहीं बने तो लगेगा 25 प्रतिशत आयात शुल्क : ट्रंप

वाशिंगटन/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को चेतावनी दी कि अगर स्मार्टफोन आईफोन का विनिर्माण अमेरिका में नहीं किया जाता है तो वे इसकी कंपनी एप्पल के उत्पादों पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे।

ट्रंप ने यह चेतावनी सोशल मीडिया पर दी है। अगर ऐसा होता है तो आईफोन की कीमत में नाटकीय रूप से वृद्धि हो सकती है। इसके साथ ही अमेरिका की अग्रणी प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक एप्पल की बिक्री और मुनाफा प्रभावित हो सकता है। कंपनी अब अमेजन, वॉलमार्ट और अन्य प्रमुख कंपनियों में शामिल हो गई है जो व्हाइट हाउस के निशाने पर हैं। ये कंपनियां ट्रंप द्वारा लगाए जा रहे आयात शुल्क से उत्पन्न अनिश्चितता और मुद्रास्फीति के दबाव का जवाब देने की कोशिश कर रही हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा, मैंने बहुत पहले ही एप्पल के टिम कुक को बता दिया था कि मुझे उम्मीद है कि अमेरिका में बेचे जाने वाले उनके आईफोन का विनिर्माण यहीं किया जाएगा, न कि भारत में या किसी अन्य स्थान पर। कंपनी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक के नेतृत्व में एप्पल, चीन पर ट्रंप के शुल्क के जवाब में, आपूर्ति शृंखलाओं को समायोजित करने के लिए आईफोन विनिर्माण को भारत में स्थानांतरित करने पर विचार कर रही थी।

धमाल मचाने आ रहा 'हाउसफुल 5' का एक और गाना, 'कयामत' का टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा की सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'हाउसफुल' की अपकमिंग फिल्म 'हाउसफुल 5' का एक और गाना 'कयामत' का टीजर रिलीज हो चुका है। 'लाल परी' और 'दिल ए नादान' के बाद अब इंटरनेट पर धमाल मचाने के लिए एक और नया गाना रिलीज होने वाला है। दरअसल, बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर नए गाने का टीजर शेयर किया। साथ ही पोस्ट में बताया गया है कि यह पूरा गाना कब रिलीज होने वाला है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नए गाने 'कयामत' का टीजर रिलीज किया। टीजर की शुरुआत दमदार और पेपी म्यूजिक के साथ होती है। इसके बाद फिल्म की स्टारकास्ट गाने पर डांस करती हुई दिखाई देती है। टीजर से अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह गाना पार्टी सॉन्ग हो सकता है।

टीजर में शुरू में 'नच दी फिरे' गाने के बोल सुनाई देते हैं और फिर गाने के जोशीले बोल शुरू होते हैं, जिस पर गाने का नाम रखा गया है। सभी 'हाय कयामत.. कयामत.. तू है कयामत.. पूरी की पूरी कयामत है' गाने के बोल पर डांस स्टेप करते दिखते हैं। इस टीजर को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा- ''सबसे धमाकेदार पूल पार्टी आपकी तरफ आ रही है! यह आम क्रूज नहीं बल्कि कयामत से भरा है! 'कयामत' गाना कल रिलीज होगा।''

फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, सौंदर्या शर्मा, चित्रांगदा सिंह, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, फरदीन खान, श्रेयस तलपड़े, डीनो मोरिया, निकितिन धीर, रंजीत, जैकी श्रॉफ, संजय दत्त और नाना पाटेकर लीड रोल में नजर आएंगे। अक्षय कुमार और रितेश देशमुख शुरू से ही इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। बाकी कलाकार बाद में जुड़ते गए। 'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की पहली कॉमेडी फिल्म साल 2010 में आई थी। दो साल बाद 'हाउसफुल 2' आई। इन दोनों फिल्मों को साजिद खान ने डायरेक्ट किया था। 2016 में 'हाउसफुल 3' रिलीज हुई, जिसे साजिद और फरहाद ने निर्देशित किया। 2019 में 'हाउसफुल 4' पर्दे पर रिलीज हुई। इसे फरहाद सामजी ने डायरेक्ट किया। अब 'हाउसफुल 5' का निर्देशन तरुण मनसुखानी कर रहे हैं। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं।

जैकलीन फर्नांडीज ने कान्स में जेसिका अल्बा से मुलाकात की

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज ने खांटी फैन होने का प्रमाण अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दिया है। उन्होंने कान्स फिल्म फेस्टिवल में पसंदीदा कलाकार जेसिका अल्बा के साथ खींची गई तस्वीर साझा की। भारतीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर बताया कि जेसिका अल्बा से मिलकर वह बहुत हैरान और खुश हो गईं। उन्होंने जेसिका अल्बा, फ्रांसीसी अभिनेत्री जूलियट बिनोचे और सऊदी अरब के फिल्म निर्माता मोहम्मद अल तुर्की के साथ कई तस्वीरें भी शेयर कीं।

उन्होंने कैप्शन में लिखा: अपने सभी पसंदीदा सितारों से मिलना और इतने खास इवेंट का हिस्सा बनना किसी सपने जैसा था। यह सब रेड सी की वजह से मुमकिन हुआ! मुझे सम्मान के साथ दुनिया भर की शानदार महिला कलाकारों से मिलने और फिल्मों के भविष्य पर बात करने का मौका मिला। हम सभी अलग-अलग तरीके से कहानियां सुनाने का एक जैसा जुनून रखते हैं! अभिनेत्री ने कहा कि यह अनुभव उन्हें बहुत प्रेरणा देने वाला लगा।

उन्होंने लिखा, मैं खुद को बहुत प्रेरित महसूस कर रही हूं। अब मैं और आगे बढ़ना और नई चीजें सीखना चाहती हूं। इतनी शानदार और खूबसूरत महिलाओं के साथ मुझे यह मौका देने के लिए रेड सी फिल्म का बहुत धन्यवाद। मैं अब भी हैरान हूं! रेड सी फिल्म फेस्टिवल का मकसद कान्स फिल्म फेस्टिवल के साथ मिलकर अलग-अलग देशों की संस्कृति और रचनात्मक कामों को बढ़ावा देना है। जैकलीन भी इस फेस्टिवल में कई फिल्म निर्माताओं, कहानीकारों और दुनिया भर की मशहूर हस्तियों के साथ रेड कार्पेट पर नजर आएंगी।

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ने हर साल होने वाले 'वुमेन इन सिनेमा' कार्यक्रम के लिए सात खास महिलाओं के नाम घोषित किए हैं। यह कार्यक्रम फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाली महिला फिल्म निर्माताओं, कलाकारों, लेखकों और अन्य प्रोफेशनल्स के योगदान को सम्मान देने के लिए होता है। डेडलाइन डॉट कॉम की रिपोर्ट के मुताबिक, इस समारोह में जिन सात महिलाओं को सम्मानित किया जाएगा, उनमें जाम्बिया और वेल्स की लेखक-निर्देशक रुंगानो न्योनी, दक्षिण एशियाई अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज, मिस्र की अभिनेत्री अमीना खलील, सऊदी अभिनेत्री एल्हम अली, थाई अभिनेत्री एंगफा वराहा, सीरिया की फिल्म निर्माता गया जीजी और सऊदी फिल्म निर्माता व कलाकार सारा तैबा शामिल हैं।

जैकलीन इन दिनों 'हाउसफुल 5' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को तरुण मनसुखानी ने डायरेक्ट किया है और साजिद नाडियाडवाला ने अपने प्रोडक्शन हाउस नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट के तहत बनाया है। यह फिल्म 6 जून को रिलीज होगी। 'हाउसफुल' फिल्म की पहली फिल्म 2010 में रिलीज़ हुई थी और दूसरी फिल्म 2012 में आई थी। पहली दो फिल्मों का निर्देशन साजिद खान ने किया था। तीसरी फिल्म 'हाउसफुल 3' को साजिद-फ़रहाद ने मिलकर निर्देशित किया था, जो 2016 में रिलीज़ हुई। चौथी फिल्म 2019 में आई थी, जिसका निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था।

अयान मुखर्जी ने 'वॉर 2' के टीजर रिलीज होने के बाद साझा किया भावुक संदेश

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड निर्देशक अयान मुखर्जी ने अपनी आने वाली फिल्म वॉर 2 के टीजर रिलीज होने के बाद सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा किया है। वॉर 2 के टीजर ने इंटरनेट पर धमाल मचाने के बाद अब इस फिल्म के निर्देशक अयान मुखर्जी ने पहली बार इस बहुप्रतीक्षित फिल्म को लेकर एक भावनात्मक नोट साझा किया है। अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अयान ने फिल्म के अनुभव, कहानी की गहराई और अपने को-स्टार्स के साथ काम करने की भावनाओं को दिल से बयां किया है। अयान मुखर्जी ने लिखा,हमारी फिल्म अपने बड़े स्तर की स्पेक्टेकल एनर्जी के साथ दर्शकों को बहुत कुछ देने वाली है, लेकिन जो बात मुझे सबसे ज्यादा प्रेरित करती है, वह है इसकी बहुत ही मजबूत और ड्रामेटिक कहानी। जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट सुनी, तो मैं चौंक गया और तभी से इसे स्क्रीन पर उतारना मेरे लिए एक रोमांचक और चुनौतीपूर्ण यात्रा रही है। अयान ने फिल्म की पूरी टीम और खासकर अपने मुख्य कलाकारों का ज़िक्र करते हुए कहा,इस फिल्म को लेकर जो प्यार मिल रहा है, वह अविश्वसनीय है। लेकिन मैं चाहता हूं कि लोग इसकी असली कहानी का सफर देखें जो मेरे हिसाब से स्पाय यूनिवर्स को एक नई गहराई में ले जाएगी।

यह फिल्म सिर्फ एक्शन नहीं, बल्कि दिल से जुड़ी एक कहानी है। अयान ने निर्माता आदित्य चोपड़ा, और दो दिग्गज सितारों ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा,इन दो महान सितारों के साथ काम करना मेरे लिए एक जीवन भर का अनुभव रहा है। उन्होंने सिर्फ स्टार पावर नहीं, बल्कि अपने किरदारों में ऐसी भावनात्मक गहराई लाई है, जो वॉर 2 को अलग बनाती है।

अयान ने अपनी खास दोस्त और फिल्म की मुख्य अभिनेत्री कियारा आडवाणी का भी खासतौर पर जिक्र किया और उन्हें रे ऑफ सनशाइन बताया। उन्होंने लिखा,एक खास ज़िक्र यहाँ मेरी प्यारी कियारा के लिए, जो फिल्म में धूप की किरण जैसी हैं और आज मेरी ज़िंदगी में एक बेहद प्यारी दोस्त भी.। आदित्य चोपड़ा निर्मित वॉर 2, वाईआरएफ स्पाई यूनिव्हर्स की छठी फिल्म है। यह फिल्म 14 अगस्त हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होगी।

अभिनेता रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी शुक्रवार मुंबई में हवाई अड्डे पर पहुंचे।

अली फज़ल ने वेबसीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' के एक्शन सीक्वेंस की तैयारी के लिए जूजुत्सु की ट्रेनिंग ली

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अली फज़ल ने वेबसीरीज 'रक्त ब्रह्मांड' के एक्शन सीक्वेंस की तैयारी के लिए इटैलियन ब्लैक बेल्ट होल्डर उम्बर्टो बारबागालो से जूजुत्सु की ट्रेनिंग ली है। अली फज़ल इन दिनों अपनी आने वाली वेब सीरीज़ रक्त ब्रह्मांड के अगले शेड्यूल की तैयारी के लिए जूजुत्सु की कड़ी ट्रेनिंग ले रहे हैं। वह पिछले एक महीने से इटली के जाने-माने मार्शल आर्ट एक्सपर्ट और ब्लैक बेल्ट होल्डर उम्बर्टो बारबागालो के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग कर रहे हैं। राज और डीके की क्रिएटिव टीम के नेतृत्व में बन रही इस सीरीज़ की शूटिंग कुछ हफ्तों में मुंबई में फिर शुरू होने जा रही है। इस दौरान कई, ज़बरदस्त एक्शन सीन्स फिल्माए जाएंगे, जिनके लिए शारीरिक रूप से फिट और तैयार रहना बेहद जरूरी है। अली फज़ल ने इन सीन्स को रियलिस्टिक तरीके से करने के लिए खुद को पूरी तरह समर्पित कर दिया है।

प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया, अली शुरू से ही इस बात को लेकर स्पष्ट थे कि वह एक्शन सीन के लिए खुद को ठीक से ट्रेन करना चाहते हैं। वो बॉडी डबल पर निर्भर नहीं रहना चाहते थे। इसी वजह से टीम ने उम्बर्टो को ट्रेनिंग के लिए बुलाया, जिससे अली सही तकनीक और स्टाइल के साथ तैयार हो सकें।

कलाम का किरदार निभाएंगे धनुष

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष सिल्वर स्क्रीन पर पूर्व राष्ट्रपति दिवंगत डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभाते नजर आयेंगे। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के जीवन पर बायोपिक बनायी जा रही है। इस फिल्म की घोषणा हाल ही में कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 में हुयी है। इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक ओम राउत करेंगे। वहीं धनुष इस फिल्म में डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का किरदार निभायेंगे।

इस फिल्म का निर्माण अभिषेक अग्रवाल और भूषण कुमार (टी-सीरीज़) कर रहे हैं, और स्क्रीनप्ले साईविन क्वाड्रास ने लिखा है। निर्माता अभिषेक अग्रवाल ने कहा, हम डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के एपिक लाइफ को बड़े पर्दे पर लाने के लिए उत्साहित हैं। यह हमारे लिए

एक इमोशनल पल है। मैं भारतीय सिनेमा के दिग्गज टी-सीरीज़ के भूषण जी, ओम राउत जी और धनुष जी के साथ काम करके सम्मानित महसूस कर रहा हूँ। हमें यह कहानी बताने का सौभाग्य मिला है और हम इस प्रोजेक्ट में अपना सब कुछ दे रहे हैं। निर्माता भूषण कुमार ने कहा,डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम साहब का जीवन हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। टी-सीरीज़ के लिए ये फिल्म सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं, एक ट्रिब्यूट है।

यह ओम राउत के साथ हमारी तीसरी फिल्म है और धनुष और अभिषेक अग्रवाल के साथ ये सहयोग और भी खास बन गया है। यह सिर्फ़ एक फ़िल्म नहीं है, यह एक ऐसे व्यक्ति को श्रद्धांजलि है जिसने हमें दिखाया कि कैसे सपने, समर्पण और विनम्रता एक राष्ट्र के भविष्य को आकार दे सकते हैं। ओम राउत ने कहा, कलाम सर एक ऐसे नेता थे जो राजनीति के परे थे। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो शिक्षा, उत्कृष्टता और स्वदेशी इनोवेशन की ताकत के लिए जाने जाते थे। उनकी कहानी को स्क्रीन पर लाना एक कलात्मक चुनौती और एक नैतिक और सांस्कृतिक ज़िम्मेदारी है। यह एक ऐसी कहानी है जो ग्लोबल यूथ और ख़ास तौर पर ग्लोबल साउथ के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। ये मेरी जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है।

राजा शिवाजी स्वराज्य विरासत और साहस का उत्सव है : ज्योति देशपांडे

मुंबई/एजेन्सी

जियो स्टूडियोज (मीडिया एंड कंटेंट बिजनेस-आरआईएल) की अध्यक्ष ज्योति देशपांडे ने कहा कि फिल्म 'राजा शिवाजी' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह स्वराज्य विरासत और साहस का उत्सव है। जियो स्टूडियोज और मुंबई फिल्म कंपनी की आगामी महत्वाकांक्षी फिल्म, 'राजा शिवाजी' एक मई, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। रितेश देशमुख निर्देशित यह फिल्म एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा है,जो छह भाषाओं मराठी, हिंदी, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। 'राजा शिवाजी' में महाराष्ट्र की गौरवशाली गाथा और भारत के महानतम योद्धा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन को दर्शाया गया है, जिसे भारत और वैश्विक स्तर पर दर्शकों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। ज्योति देशपांडे ने कहा, शिवाजी महाराज की कहानी को वही व्यक्ति जीवंत कर सकता है, जिसके दिल में इसके लिए खास जगह हो, और रितेश ने जेनिलिया के साथ मिलकर इस जुनून को उद्देश्य के साथ किया है। हमारा लक्ष्य भाषा या स्थान की परवाह किए बिना, हर भारतीय तक शिवाजी महाराज के प्रेरणादायक

जीवन को पहुंचाना है।इस फिल्म में मनोरंजन उद्योग के कुछ बेहतरीन कलाकारों ने काम किया है, यह प्रोजेक्ट हमारे सबसे महत्वाकांक्षी प्रयासों में से एक है। यह महाराष्ट्र की भावना और उसके महानतम सपूतों में से एक की वीरता को सिनेमाई सलाम है। मुंबई फिल्म कंपनी की निर्माता, जेनेलिया देशमुख ने कहा,यह फिल्म सालों के जुनून, तैयारी और उद्देश्य का परिणाम है। 'राजा शिवाजी' हमारा सबसे महत्वाकांक्षी सपना है - छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत को एक श्रद्धांजलि और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सिनेमाई उपहार है।जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर काम करने से हमें एक अभूतपूर्व पैमाने पर सोचने और बनाने की ताकत मिली है।

हमारा मानना है कि भारतीय सिनेमा के लिए विश्व मंच पर अपनी जगह बनाने का यह सही समय है, और यह कहानी इससे कम कुछ भी डिजर्व नहीं करती है। फिल्म 'राजा शिवाजी' में हिंदी और मराठी सिनेमा के एक से बढ़कर एक बड़े लोकप्रिय कलाकारों, जैसे संजय दत्त, अभिषेक बच्चन, महेश मांजरेकर, सचिन खेडेकर, भाग्यश्री, फरदीन खान, जितेंद्र जोशी, अमोल गुप्ते, जेनेलिया देशमुख, और रितेश विलासराव देशमुख ने अभिनय किया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 24-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

उन्माद में व्यक्ति विवेक शून्य होकर बड़े से बड़ा अनर्थ करने में गर्व महसूस करता है यह सबसे बड़ा पाप है। धर्मात्मा पर जब उन्माद का भूत सवार होता है तो वह शैतान और राक्षस के बराबर हो जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक उन्माद अत्यंत खतरनाक है और आतंकवाद का निर्माता है। धार्मिक उन्माद में अंधा बना हुआ व्यक्ति अपने और पराए का ध्यान नहीं रखता। उसके लिए अंधेरा और प्रकाश एक समान हो जाता है। धर्म प्रकाश स्वरूप है जबकि धार्मिक उन्माद तम स्वरूप है। दोनों एक साथ नहीं रह सकते।

मदुरै जंक्शन रेलवे स्टेशन पर जल्द ही मल्टीलेवल कार पार्किंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। मदुरै जंक्शन रेलवे स्टेशन के पश्चिमी प्रवेश द्वार पर जल्द ही चार पहिया वाहनों के लिए एक नई बहुस्तरीय कार पार्किंग सुविधा शुरू की जाएगी। यह दक्षिणी रेलवे के मदुरै डिवीजन में पहली बहुस्तरीय कवर्ड चार पहिया वाहन पार्किंग जगह है और यह यहां चल रहे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना का हिस्सा है। पार्किंग क्षेत्र के संचालन के लिए ई-टेंडर प्रक्रिया पहले ही शुरू हो चुकी है। मदुरै जंक्शन पर स्टेशन पुनर्विकास परियोजना के तहत विकसित यह दूसरी प्रमुख पार्किंग सुविधा है। पूर्वी प्रवेश द्वार पर विकसित बहुस्तरीय दोपहिया वाहन पार्किंग क्षेत्र पहले से ही उपयोग में है।

नई सुविधा पश्चिमी प्रवेश द्वार के दक्षिणी छोर पर स्थित है और इसे वाहनों को धूप, गर्मी और बारिश से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे स्टेशन पर अधिक कवर्ड पार्किंग की बढ़ती मांग के जवाब में बनाया गया था। दो-मंज़िला संरचना 2,413 वर्ग मीटर में फैली हुई है और इसमें 60 चार पहिया वाहन खड़े हो सकते हैं। यह सीसीटीवी निगरानी, एक लिफ्ट, शौचालय, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग पॉइंट, डिजिटल भुगतान विकल्प और आपातकालीन उपयोग के लिए दोनों मंजिलों पर प्रमुख बिंदुओं पर स्थापित अग्निशमन प्रणाली से सुसज्जित है। इस सुविधा को लगभग 7 करोड़ की लागत से विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त, स्टेशन के पूर्वी प्रवेश द्वार पर पार्सल कार्यालय के पास एक नई बहुस्तरीय कार पार्किंग सुविधा का निर्माण किया जा रहा है। इस इमारत में तीन मंजिलें होंगी, कुल क्षेत्रफल 9,173.45 वर्ग मीटर होगा और इसमें 166 कारों के लिए जगह होगी। इसमें भूतल पर तीन प्रवेश बिंदु, दो लिफ्ट, भूतल और पहली मंजिल पर शौचालय, इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 13 चार्जिंग पॉइंट और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी मंजिलों पर अग्निशमन प्रणाली होगी।

जमानत पर रिहा हुए दुष्कर्म के चार आरोपी रिहाई के बाद जश्न मनाने पर दोबारा गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के एक मामले में जमानत पर रिहा हुए सात मुख्य आरोपियों में से चार को रिहाई का बाद जश्न मनाने के लिए यहां अक्की अल्लुर की सड़कों पर कारों की परेड निकालने के आरोप में शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि घटना 20 मई को हुई और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर 'वायरल' हो गया। इंटरनेट उपयोगकर्ताओं द्वारा की गई आलोचना के बाद पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

हावेरी जिले के पुलिस अधीक्षक अंशु कुमार श्रीवास्तव ने संवाददाताओं को बताया कि आरोपियों के खिलाफ अवैध रूप से एकत्र होने और लापरवाही से वाहन चलाने का मामला दर्ज किया गया है।

अधिकारी ने यह भी बताया कि सात लोगों के खिलाफ 'हिस्ट्रीशीट' तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि सात मुख्य आरोपियों की जमानत रद्द करने का अनुरोध करते हुए अदालत में आवेदन दायर किया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान समीउल्ला लालनवर, मोहम्मद सादिक अगसिमनी, शोएब मुल्ला और रियाज साविकेरी के रूप में हुई है। पुलिस ने बाकी तीन को पकड़ने के लिए छापेमारी शुरू कर दी है।

जनवरी 2024 में हंगल थाने में दर्ज सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सात मुख्य आरोपियों समेत 19 को गिरफ्तार किया गया था। 12 अन्य आरोपियों को 10 महीने पहले जमानत पर रिहा कर दिया गया था।

बेंगलूरु मेट्रो में बिना सहमति के महिलाओं के 'वीडियो बनाने' के आरोप में व्यक्ति गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु मेट्रो में यात्रा करने वाली महिलाओं की सहमति के बिना उनकी तस्वीरें लेने और 'वीडियो रिकॉर्ड कर' सोशल मीडिया मंचों पर अपलोड करने के आरोप में शुक्रवार को 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी दिगंत को तिगलारपाल्या इलाके में उसके घर से गिरफ्तार किया गया और वह एक निजी कंपनी के अकाउंट विभाग में काम करता है।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) लोकेश बी. जगलासर ने बताया, इस संबंध में 20 मई को बनशंकरी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। आरोपी तिगलारपाल्या का निवासी है और मुरुगेशपाल्या में काम करता है। उन्होंने बताया, काम पर आते-जाते समय वह महिलाओं की सहमति के बिना उनका वीडियो बनाता था और वीडियो को इंस्टाग्राम पेज पर अपलोड कर देता था। उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने बताया कि 'बेंगलूरु मेट्रो क्लिक्स' नाम के इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड की गई तस्वीरें और वीडियो बाद में डिलीट कर दिए गए। 'बेंगलूरु मेट्रो क्लिक्स' के 6,000 से अधिक फॉलोअर्स थे। यह मामला 20 मई को तब सामने आया जब पुलिस नियमित जांच के तहत संदिग्ध पोस्ट के लिए सोशल मीडिया मंच की समीक्षा कर रही थी।

मुनिश्री के सान्निध्य में योग शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नगानूर (केरल)। आचार्य श्री महाश्रमणजी के शिष्य मुनि श्री हिमांशु कुमार जी जिनका चातुर्मास गुरुदेव द्वारा मदुरै फरमाया हुआ हैं मुनिश्री केरल में कालीकट, एर्नाकुलम की यात्रा करते हुए, अभी मदुरै की तरफ गतिमान हैं, रास्ते में आज का प्रवास स्थल केरल के चेन्नगानूर में रहा।

यहां आरएसएस प्रमुखालय में एक योग एवं ध्यान शिविर का आयोजन किया गया।

मुनिश्री के सान्निध्य में आरएसएस के सेवकों ने शिविर में सहभागिता दर्ज की। मुनिश्री हिमांशु कुमारजी ने ध्यान के माध्यम से तनाव और क्रोध के ऊपर नियंत्रण के उपाय बताएं। उन्होंने योग के कुछ आसान एवं अपने सही आसनों के बारे में उपस्थित लोगों को समझाया।

कार्यालय सचिव हरि का मदुरै तेरापंथ सभा की तरफ से आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम में मदुरै तेरापंथ सभा अध्यक्ष गौतमचन्द गोलेछा सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। इससे पूर्व आरएसएस केरल के कार्यकारी अध्यक्ष कृष्णन ने मुनिश्री के दर्शन लाभ लिया।

तीर्थ यात्रा के दौरान सभी सहयोगियों व कार्यकर्ताओं का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय बेंगलूरु जैन सेवा मंडल के तत्वावधान में 100 यात्रियों ने उत्तरप्रदेश के वाराणसी, भेलुपुर, भदैनी, चन्द्रपुरी, सिंहपुरी, अयोध्या, रत्नपुरी, श्रावस्ती सहित कुल 43 कल्याणक भूमियों की सात दिवसीय तीर्थ यात्रा शुक्रवार को सम्पन्न हुई। समापन समारोह में एक तीर्थ में आयोजित कार्यक्रम में मंडल के अध्यक्ष वसंतकुमार वेदमुथा, उपाध्यक्ष दिलीपकुमार वेदमुथा, कोषाध्यक्ष मदनलाल वेदमुथा ने यात्रा के मुख्य लाभार्थी मथराबाई रिखबचंद मोदी सहित अन्य लाभार्थियों, सहयोगियों एवं कार्यकर्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वंसतकुमार ने कहा कि टीम भावना से किया गया हर कार्य सफलता दिलाता है और यह यात्रा संघ का सफल आयोजन उसी का परिणाम है। यात्रा संघ के सभी यात्रियों ने आयोजकों को उत्तम व्यवस्था के लिए धन्यवाद दिया और आभार जताया।

महायज्ञ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तमिलनाडु के तिरुवनमलै के पोलूर के अर्जुनपुरम में महागणपति, महामरियम्मन, वालिदेवनी, सुब्रमण्यमस्वामी मंदिर के स्थापना व महाकुंभाभिषेक के मौके पर आयोजित महायज्ञ में वेल्लर स्वर्ण महालक्ष्मी मंदिर के पीठाधिपति शक्ति अम्मा भी शामिल हुए और यज्ञ में विशेष आहुति दी। इस मौके पर शक्ति अम्मा ने सभी श्रद्धालुओं को आशीर्वाद दिया।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के सदस्य निकले वियतनाम के दौरे पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन(जीतो) बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर के सदस्य शुक्रवार को सात दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय दौरे पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक सौंदर्य का निकट से अनुभव करने के लिए वियतनाम के लिए रवाना हुए। नॉर्थ चैप्टर के अध्यक्ष विमल कटारिया, महामंत्री विजय सिंघवी ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य सदस्यों के बीच नेटवर्किंग को सुदृढ़ करना, आपसी सहयोग को बढ़ाना और वैश्विक व्यापारिक अवसरों की पहचान करना भी है। यात्रा के संयोजक कमल पुनमिया और सहसंयोजक अरुण कुमार नाहर ने यात्रा की विस्तार से जानकारी दी।

उत्तर कर्नाटक में संगठन यात्रा में हुआ अणुव्रत समिति का विस्तार

गदग/दक्षिण भारत। अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा के नेतृत्व में संगठन मंत्री राजेश चावत,राज्य प्रभारी केसरीचंद गोलेछा, सुरेश कोठारी ने उत्तर कर्नाटक में संगठन यात्रा आयोजित की तथा हुब्बल्ली, गदग, कोप्पल, होसपेट आदि क्षेत्रों में अणुव्रत का प्रचार किया। उसी श्रृंखला में गदग और कोप्पल में अणुव्रत समिति का गठन किया तथा दिनेश सकलेचा को गदग में अध्यक्ष व कोप्पल में दिनेश संचेती को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी।

साध्वीश्री प्रियदर्शना का हुआ गुणानुवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के तत्वावधान में स्वाध्याय भवन, साहूकारपेटमें महासती डा प्रियदर्शना म.सा के 68 दिवसीय संथारा पूर्वक देवलोकगमन हो जाने पर चार लोगस्स का ध्यान करते हुए गुणानुवाद किये गए। श्रावक संघ तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने कहा कि ऋषि परम्परा के श्रमण संघीय आचार्य पूज्यश्री आनंदऋषि म.सा. के आनंद उज्ज्वल प्रमोद कुल की ज्येष्ठ महासती विदुषी उपप्रवर्तिनी डा.पूज्यश्री प्रियदर्शना म.सा. जिनको छोटे बाई म.सा. के नाम से भी जाना जाता हैं,उन्होंने गुरुवार 21 मई को सायंकाल 68 दिवसीय संथारा पूर्वक समाधिमरण वरण किया।

महासती को कोथरुड, पुणे में 68 दिनों पूर्व 16 मार्च को प्रवर्तक श्री कुंदनऋषि म.सा. के मुखराविंद से सजग व सावज्ञ संथारा व्रत के पच्चक्खान कराए गए थे। अपने साधना काल में महासती ने जैन साधना पद्धति में ध्यान योग में शोध पूर्ण कर पीएचडी व नवकार महामंत्र के णमो सिद्धाणँ पद पर डी. लिट किया था। संथारा काल में 68 दिनों में हज़ारो की संख्या में श्रदालुओं ने महासती के संथारे की अनुमोदना करते हुए दर्शन किये थे।

गुणानुवाद सभा में बाबुधनपतराज सुराणा पदमचन्द दीपक योगेश श्रीश्रीमाल श्रावक संघ के उपाध्यक्ष गौतमचंद मुणोत, कोषाध्यक्ष अम्बालाल कर्णावट, आर वीरेंद्र कांकरिया, कांतिलाल तातेड़, रुपराज सेठिया, लीलमचन्द बागमार, वीरेन्द्र ओस्तवाल, नवरतनमल चोरडिया, इंदरचंद जितेंद्र महावीर कर्णावट उच्छराज गांग आदि की सामायिक परिवेश में उपस्थिति रही। बाबुधनपतराज सुराणा ने मंगल पाठ सुनाया।

आतंकवाद का निर्माता है धार्मिक उन्माद, इससे बचना चाहिए : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगारुपाल्या। चेन्नई की ओर विहाररत राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश शुक्रवार को शहर के कृष्ण मंदिर के दर्शन किए और जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि उन्माद में व्यक्ति विवेक शून्य होकर बड़े से बड़ा अनर्थ करने में गर्व महसूस करता है यह सबसे बड़ा पाप है। धर्मात्मा पर जब उन्माद का भूत सवार होता है तो वह शैतान और राक्षस के बराबर हो जाता है। उन्होंने कहा कि धार्मिक उन्माद अत्यंत खतरनाक है और आतंकवाद का निर्माता है। धार्मिक उन्माद में अंधा बना हुआ व्यक्ति अपने और पराए का ध्यान नहीं रखता। उसके लिए अंधेरा और प्रकाश एक समान हो जाता है। धर्म प्रकाश स्वरूप है जबकि धार्मिक उन्माद तम स्वरूप है। दोनों एक साथ नहीं रह सकते। मुनि कमलेशजी ने कहा कि शराब आदि नशे का उन्माद तो थोड़े समय बाद उतर जाता है लेकिन धर्म, जाति, भाषा, धन, पद और प्रतिष्ठा के उन्माद का नशा खतरनाक शत्रु के समान है जो जन्म जन्मांतर को बर्बाद कर देता है। संत ने कहा कि उन्माद अपने आप में हिंसा की जननी है। आत्मा के साथ कर्मों का बंधन विचारों को शातिर और शरीर को असाध्याय रोगों का शिकार बनाता है। जैन संत ने कहा कि वर्षों के आपसी भाईचारे, प्यार और प्रेम के संबंध को उन्माद एक पल में नष्ट करके नफरत में बदल देता है। संतश्री घनश्याममुनिजी व कौशलमुनिजी ने मंगलाचरण किया।

मनोहर लाल ने कर्नाटक के बिजली क्षेत्र की समीक्षा की

बेंगलूरु। केंद्रीय बिजली मंत्री मनोहर लाल ने शुक्रवार को कर्नाटक के बिजली क्षेत्र की व्यापक समीक्षा की और राज्य सरकार से अपनी बिजली इकाइयों के वार्षिक वित्तीय नुकसान को कम करने एवं लागत के हिसाब से शुल्क लागू करने का आग्रह किया। उन्होंने सरकारी विभागों से संबंधित बकाया तथा सब्सिडी का समय पर भुगतान करने के महत्व पर बल दिया और राज्य को अगस्त 2025 तक स्थानीय निकायों एवं कॉलोनियों सहित सभी सरकारी प्रतिष्ठानों में पूरी तरह से 'प्रीपेड स्मार्ट मीटर' लगाने की सलाह दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, बेंगलूरु में हुई समीक्षा बैठक में वरिष्ठ मंत्रियों एवं अधिकारियों ने हिस्सा लिया। इसमें कर्नाटक में बिजली उत्पादन, पारेषण एवं वितरण की स्थिति पर राज्य सरकार द्वारा विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई।

तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर ने किया कन्या सुरक्षा स्तंभ का उद्घाटन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर द्वारा गुरुवार को बसवनगुड़ी के कूल कार्नर प्रतिष्ठान के पास कन्या सुरक्षा स्तंभ का उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा एवं महामंत्री नीतू ओस्तवाल ने किया। मंडल की अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत किया। मंडल की मंत्री ज्योति संचेती ने संचालन करते हुए मंडल के कार्यों की जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष सरिता डागा ने मण्डल के इस कार्य की सराहना की। महामंत्री नीतू ओस्तवाल ने कहा कि कन्याओं की सुरक्षा जागरूकता के लिए यह स्तंभ बनाया गया है। मंडल ने स्तंभ बनाने में चिकपेट क्षेत्र के विधायक डॉ उदय गरुड़ाचार, बीबीएमपी के उपनिदेशक(बागवानी) चन्द्रशेखर, पूर्व पार्षद कविता पोरवाल से मिले सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस मौके पर महासभा के प्रतिनिधि प्रकाश लोढ़ा, युवक परिषद के मंत्री राकेश चोरड़िया, टीपीएफ के अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा सहित महिला मंडल की राष्ट्रीय परामर्शिका लता जैन, यशवंतपुर महिला मंडल की अध्यक्ष मीनाक्षी दक, हनुमंतनगर महिला मंडल की अध्यक्ष सरोज दुग्गड़, दासरहल्ली महिला मंडल की अध्यक्ष नेहा चावत, कन्या सुरक्षा स्तंभ की संयोजिक वीणा पोरवाल, किरण गिलुंडिया आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.